वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 109 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 20 जून 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

भारत की एक इंच जमीन पर कोई भी आंख उठाकर नहीं देख सकता

सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी बोले-भारत की सीमा में कोई नहीं घुसा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन की सेना के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद बने हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में पांच से अधिक सांसदों वाली पार्टी को आमंत्रित किया गया। आपको बता दें कि पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में भारत की 20 सैनिक शहीद हो गए थे। इसके बाद चीन को लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी (आप) को नहीं बुलाए जाने पर **AAP** के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने नाराजगी जताई है। संजय सिंह ने कहा कि ऐसे समय में एकजुट रहते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। हम हमारे वीर जवानों के साथ चट्टानों की तरह खड़े हैं।

उनकी वीरता पर देश अटूट विश्वास रखता है। मैं शहीदों के परिवारों को भी विश्वास दिलाता हूं कि पूरे देश उनके साथ है। पूर्वी लद्दाख में न कोई सीमा में घुस आया और न ही घुसा हुआ है और न ही कोई पोस्ट किसी के कब्जे में है। प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने कहा लद्दाख में हमारे 20 सैनिक शहीद हुए, लेकिन भारत माता कि तरफ जो आंख दिखाया उसे सबक सिखा दिए। चीन ने जो किया है उससे देश आहत है। हमारी सेना देश की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। हमारी सेना जल, थल, नभ में देश की रक्षा के लिए जो करना है कर रही है। हमारी एक इंच जमीन पर कोई भी आंख उठाकर नहीं देख सकता है। हमने सेना को उचित कदम उठाने की छूट दी है। हमने चीन को अपनी बात स्पष्ट कर दी है। पीएम मोदी बोले भारत शांति चाहता है, लेकिन देश के स्वाभिमान की ऋक्षा सर्वप्रथम है। बीते पांच वर्षों में हमारी सरकार ने बॉर्डर इलाकों में संसाधन मजबूत करने पर बल दिया है। नए इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण पेट्रोलिंग बढ़ गई है। सतर्कता बढ़ी है। एलएसी पर हो रही गतिविधियों के बारे में पता चल रहा है। सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों से कहा, न तो चीन ने हमारी सीमा में घुसपैठ की है और न ही कोई पोस्ट बनाया गया है। हमारे 20 जवान शहीद हो गए, लेकिन जिन लोगों ने भारत माता को याद किया, उन्हें

सबक सिखाया गया। सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों से कहा, आज हमारे पास यह क्षमता है कि कोई भी हमारी जमीन के एक इंच हिस्से को भी नहीं ले सकता है। भारत की सशस्त्र सेना एक बार में कई क्षेत्रों में जाने की क्षमता रखती है। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए, हमने अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए बुनियादी ढांचे के विकास को महत्व दिया है। हमारे सशस्त्र बलों की आवश्यकताएं हों, लड़ाकू विमान हों, उन्नत हेलीकॉप्टर हो, मिसाइल रक्षा प्रणालियां हों, उन्हें भी महत्व दिया जा रहा है। जगन मोहन रेड्डी (वाईएसआरसीपी) ने सर्वदलीय बैठक में कहा, भारत की प्रतिष्ठा विश्व स्तर पर बढ़ी है।

उन्होंने दुनिया भर में प्रमुख रणनीतिक साझेदारी का निर्माण किया है। आप हमारी ताकत हैं, प्रधानमंत्री हैं। भारत ने बहुतों से ईर्ष्या की है। वे (चीन) भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वदलीय बैठक में अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल ने भारतचीन सीमा मुद्दे पर कहा कि स्थिति से निपटने के लिए सवाल उठाने का सही समय नहीं है। भारत पीएम के साथ है। चीन को संदेश दें कि हम पीएम के साथ हैं। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली सर्वदलीय बैठक में कहा, राष्ट्र एक है। पाकिस्तान और चीन की नीयत अच्छी नहीं है। भारत चीन का डंपिंग ग्राउंड नहीं होगा। चीनी सामानों पर 300त्न शुल्क लगाए। सर्वदलीय बैठक में शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, भारत शांति चाहता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हैं। चीन का स्वभाव विश्वासघात है।

जल, थल, नभ में सेनाएं पूरी तरह चौकस

प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों को बताया कि देश की सेना चीन की धोखेबाजी के मद्देनजर उचित कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, मैं आपको भी आश्वस्त कर रहा हूं कि हमारी सेना देश की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। डिप्लॉयमेंट हो, ऐक्शन हो, काउंटर ऐक्शन हो जल, थल, नभ में हमारी सेनाओं को देश की रक्षा के लिए जो करना है, वो कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सैनिकों की वीरता, कौशल और सूझबूझ पर पूरे देश की अटूट आस्था है। मोदी ने कहा, हम सभी देश की सीमाओं की रक्षा में दिनरात लगे हमारे वीर जवानों के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। उनकी वीरता, उनके कौशल, उनकी सूझबूझ पर देश अटूट विश्वास रखता है।

जम्मू-कश्मीर में दो मुठभेड़ों में 6 आतंकवादी ढेर

आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिद्दीन और लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर। जम्मूकश्मीर के पुलवामा और शोपियां जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में छह और आतंकवादी मारे गए। इसके साथ ही रात भर चली मुठभेड़ों में मारे गए आतंकवादियों की संख्या आठ हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पुलवामा मुठभेड़ में दो और शोपियां मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए।

उन्होंने बताया कि आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिद्दीन और लश्करए तैयबा के सदस्य हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार सुबह दक्षिण कश्मीर के पम्पोर इलाके के मीज में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि तलाशी में जुटे सुरक्षा बलों के दल पर आतंकवादियों की गोलीबारी के बाद अभियान मुठभेड़ में बदल गया। बल ने भी उनकी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसमें बृहस्पतिवार को एक आतंकवादी मारा गया था और दो अन्य एक मस्जिद में घुस गए। अधिकारी ने बताया कि बल ने रात भर मस्जिद को घेरे रखा। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को मस्जिद से बाहर निकालने के लिए आंसू गैस के

गोले भी दागे। बाद में धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखते हुए बल ने आतंकवादियों को मार गिराया। अभियान में कुल तीन आतंकवादी मारे गए।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि आतंकवादियों को मस्जिद से बाहर निकालने के लिए ना गोलीबारी की गई ना आईईडी का इस्तेमाल किया गया। अधिकारी ने कहा, संयम और अनुभव काम आए। ना गोलीबारी की गई और ना आईईडी का इस्तेमाल। केवल आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया गया। मस्जिद की पवित्रता बनाए रखी गई। मस्जिद के अंदर छुपे दोनों आतंकवादियों मारे गए हैं।'' इस बीच, रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया कि शोपियां जिले के मुनांदबंदपावा इलाके में बृहस्पतिवार से शुरू हुई एक अन्य मुठभेड़ में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने चार और आतंकवादी मार गिराए । बल ने आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद अभियान शुरू किया था। कर्नल ने बताया कि वहां बृहस्पतिवार को एक आतंकवादी मारा गया था और शुक्रवार को चार और आतंकवादी मारे गए। यहां कुल पांच आतंकवादी मारे गए हैं। रात भर चली मुठभेड़ों में पिछले 24 घंटे में कुल आठ आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि डीएनए का नमूना लेने सहित अन्य मेडिकल कानूनी औपचारिक्ताओं को पूरा करने के लिए शवों को बारामुल्ला भेजा गया है, अंत में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि यदि उनके कोई परिजन हैं तो वे शवों की पहचान करने और अंतिम संस्कार में भाग लेने आ सकते हैं।

प्रवक्ता ने बताया, दोनों मुठभेड़ स्थलों से हथियार सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली है। संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।'' जम्मूकश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग ड्क्षसह ने बताया कि आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिद्दीन और लश्करएतैयबा के सदस्य थे। सेना और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, दिन रात समाज के लिए खतरा बने हुए आठ लोगों का अंत हो गया है... इससे खुशी नहीं हो रही है, लेकिन यह वर्षों से अशांत इस क्षेत्र में शांति स्थापना की दिशा में एक कदम है।

शहीद कर्नल के परिवार को 5 करोड़, नौकरी

हैदराबाद । लद्दाख में देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले कर्नल संतोष बाबू को पूरा भारत याद कर रहा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अब कर्नल संतोष बाबू के परिवार को पांच करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने का ऐलान किया है। इसके अलावा लद्दाख में जान गंवाने वाले 19 अन्य सैनिकों के परिवार को भी तेलंगाना सरकार 10 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देगी। तेलंगाना की केसीआर सरकार ने ऐलान किया है कि राज्य सरकार की ओर से कर्नल संतोष बाबू के परिवार को पांच करोड़ रुपये की सहायता राशइ, एक रेजिडेंशियल प्लॉट और उनकी पत्नी को नौकरी दी जाएगी। इतना ही नहीं दूसरे राज्यों से संबंध रखने वाले उन 19 जवानों के परिवार को भी तेलंगाना सरकार सम्मान देगी। गलवान घाटी में शहीद हुए 19 जवानों के परिवार को तेलंगाना सरकार 1010 लाख रुपये की सम्मान राशि देगी।

हाल ही में गलवान घाटी में चीन के अवैध कब्जे को लेकर भारत और चीन की सेनाओं में खूनी संघर्ष हुआ था। इस संघर्ष में कर्नल संतोष बाबू समेत सेना के कुल 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी कम के कम 43 सैनिक और अधिकारी इस झड़प में मारे गए।

BJP से सिंधिया और सोलंकी पहुंचे राज्यसभा, कांग्रेस से दिग्विजय भी जीते

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए शुक्रवार को हुए चुनाव में बीजेपी ने अपनी दो सीटें बरकरार रखी हैं, जबकि एक सीट कांग्रेस ने जीती है। राज्यसभा के लिए भाजपा के निर्वाचित उम्मीदवारों में पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रोफेसर सुमेर सिंह सोलंकी शामिल हैं, जबकि कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सबसे अधिक वोटों से चुने गए हैं। दिग्विजय लगातार दूसरी बार मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। इस चुनाव में इन तीनों के अलावा कांग्रेस के उम्मीदवार वरिष्ठ दलित नेता फूल सिंह बरैया भी मैदान में थे, लेकिन वह हार गए। मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए विधानसभा परिसर में शुक्रवार को मतदान हुआ था। इस चुनाव में कुल 206 मत पड़े। इनमें से दिग्विजय को 57 मत मिले, जबकि सिंधिया को 56, सोलंकी को 55 और बरैया को मात्र 36 मत प्राप्त हुए। गौरतलब है कि कांग्रेस के पास वर्तमान में 92 विधायक हैं। इनमें से 54 विधायकों को पार्टी के पहली वरीयता वाले उम्मीदवार दिग्विजय सिंह को मतदान

करने को कहा गया था। मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सीटें हैं और फिलहाल 24 सीटें रिक्त होने की वजह से विधानसभा की प्रभावी संख्या 206 है। इसमें भाजपा के 107, कांग्रेस के 92, बसपा के दो, सपा का एक और चार निर्दलीय विधायक हैं। इस स्थिति में राज्यसभा में निर्वाचन के लिए किसी भी उम्मीदवार को 52 मतों की जरूरत थी। अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित कांग्रेस के एक विधायक ने भी सबसे अंत में पीपीई किट पहनकर मतदान किया। सावधानी के तौर पर वह पीपीई किट पहनकर मतदान के लिये पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि विधानसभा परिसर में शुक्रवार को सुबह नौ बजे से मतदान प्रारंभ हुआ और शाम पांच बजे से मतों की गणना हुई। अधिकारी ने बताया कि मतदान के लिए सभी विधायक कोरोना वायरस महामारी से सावधानी के लिए मास्क पहने हुए थे और शारीरिक दूरी बनाकर कतार में खड़े दिखाई दिए। झारखंड की सत्ता से बाहर हो चुकी बीजेपी ने भी राज्यसभा की एक सीट पर कब्जा जमा लिया है। पार्टी नेता दीपक प्रकाश को राज्यसभा के लिए चुना गया है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी इस सीट के लिए जोर लगाया था लेकिन आखिरी बाजी दीपक के हाथ लगी और वह राज्यसभा पहुंचने में कामयाब रहे। झारखंड की दो सीटों पर हुए चुनाव में एक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा तो दूसरी पर भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार को जीत हासिल हुई है।

दिल्ली में कोविड के इलाज की दरें घोषित, निजी अस्पतालों पर शिकंजा

निजी अस्पतालों में कोविड की टेस्टिंग के साथ इजाज की दरें निर्धारित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजधानी दिल्ली में कोविड19 के मरीजों का स्वास्थ्य सर्वे से लेकर टेस्टिंग के साथ ही निजी अस्पतालों में मरीजों के उपचार की अधिकतम दरें निर्धारित कर दी हैं। इससे अब दिल्ली के प्राईवेट अस्पतालों में कोविड मरीज कम खर्च में अपना इलाज करवा सकेंगे।

सरकार ने इलाज के खर्च को करीब एक तिहाई कर दिया है। इससे अब दिल्लीवासियों को बड़ी राहत मिली है। इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में निजी अस्पतालों द्वारा कोविड मरीजों के लिए विभिन्न श्रेणियों जैसेआइसोलेशन बेड्स, वेंटिलेटर के बिना आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ आईसीयू के 60 प्रतिशत बेड्स की दरें निर्धारित करने के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वी के पॉल की अध्यक्षता में एक कमिटी गठित की थी। कमेटी ने सभी निजी अस्पतालों (निजी अस्पताल एनएबीएच से अधिकृत है या नहीं इस पर निर्भर) में आइसोलेशन बेड्स के लिए (पीपीई

और दवाइयों सहित) 8000-10000 प्रतिदिन, आईसीयू वेंटिलेटर के बिना (पीपीई और दवाइयों सहित) 13,00015,000 प्रतिदिन और आईसीयू वेंटिलेटर के साथ (पीपीई और दवाइयों सहित) 44,000-54,000 (पीपीई के बिना) रुपये लिए जाते हैं। अभी तक प्राईवेट अस्पतालों ने कोविड के नाम में कई गुना रेट लिस्ट लगा रखी थी और मरीजों से वसूल रहे थै। अब सरकार की ओर से निर्धारित की कई के लिए 15,00018,000 रुपये प्रतिदिन की सिफारिश की है। अभी इनके लिए 24,000-25,000 (पीपीई के बिना), 34,000-43,000 (पीपीई के बिना) और कीमतों के आधार पर ही उन्हें इलाज करना होगा। इसके अलावा दिल्ली में टेस्टिंग क्षमता बढ़ाने और जाँच के नतीजे जल्द देने के कल से रैपिड ऐंटिजन प्रणाली से जाँच शुरू की गयी है। 193 टेस्टिंग केंद्रों पर कुल 7040 लोगों की जाँच की जा चुकी है। आगामी दिनों में टेस्टिंग की संख्या और बढ़ाई जाएगी। साथ ही केन्द्रीय गृहमंत्री के लिए गए निर्णयों के बाद सैम्पल टेस्टिंग तुरन्त दोगुनी की जा चुकी है। दिल्ली में 15 से 17 जून के दौरान 27263 जाँच नमूने लिए गए हैं, जबकि इससे पहले प्रतिदिन 40004500 सैम्पल लिए जाते थे। इसके अलावा राजधानी दिल्ली के 242 कंटेन्मेंट जोन में घरघर स्वास्थ्य सर्वे का काम कल पूरा हो गया। इसमें कुल 2.3 लाख लोगों का सर्वे किया गया है।

अब 5 दिन क्वारंटाइन सेंटर में रहना अनिवार्य

नई दिल्ली, दिल्ली में कोरोना संक्रमितों को अब होम आइसोलेशन से पहले 5 दिन क्वारंटाइन सेंटर में रहना होगा। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद इस बाबत दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए) चेयरमैन और उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए। इसके तहत अब हर कोरोना पॉजिटिव मरीज को 5 दिन के लिए अनिवार्य रूप से क्वारंटाइन सेंटर में रहना होगा। इसके बाद ही किसी व्यक्ति को होम आइसोलेशन में भेजा जाएगा। लेकिन यदि लक्षण है तो आगे उसी हिसाब से क्वारंटाइन सेंटर या अस्पताल में भेजा जाएगा। इसके अलावा डीएम की निगरानी में डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस ऑफिसर की टीम होम आइसोलेशन वाले हर व्यक्ति की फिजिकल वेरिफिकेशन करेगी।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के सबसे अधिक 13,586 मामले सामने आए

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड19 के सबसे अधिक 13,586 मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 3,80,532 हो गए।

वहीं, 336 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 12,573 हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए आंकड़ों के अनुसार राहत की बात यह है कि कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की संख्या दो लाख के आंकड़े के पार कर 2,04,710 हो गई है। फिलहाल 1,63,248 कोविड19 मरीज उपचाराधीन हैं। वहीं, एक मरीज देश से बाहर जा चुका है। अधिकारी ने कहा, '' इस तरह अब तक करीब 53.79 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं।''कुल पुष्ट मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल है।भारत में लगातार आठवें दिन 10,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। देश में एक से 19 जून के बीच 1,89,997 मामले सामने सामने आए हैं, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात और उत्तर

प्रदेश उन शीर्ष राज्यों में शामिल हैं, जहां मामले तेजी से बढ़े हैं।आईसीएमआर के अनुसार 18 जून तक 64,26,627 लोगों की जांच की गई है। इनमें से बृहस्पतिवार को एक दिन में सबसे अधिक 1,76,959 लोगों की जांच की गई।आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार सुबह तक जिन 336 लोगों की जान गई, उनमें से सबसे अधिक 100 लोग महाराष्ट्र के और उसके बाद दिल्ली के 65, तमिलनाडु के 49, गुजरात के 31, उत्तर प्रदेश के 30, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के 1212, राजस्थान के 10, जम्मूकश्मीर के छह, पंजाब के पांच, हरियाणा और मध्य प्रदेश के चारचार, तेलंगाना के तीन, आंध्र प्रदेश के दो और असम, झारखंड तथा केरल के एकएक व्यक्ति शामिल है।अमेरिका, ब्राजील और रूस के बाद भारत कोविड19 महामारी से सर्वाधिक प्रभावित चैथा देश है। अमेरिका की जान्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार कोरोना वायरस से होने वाली मौतों के मामले में भारत आठवें नंबर पर है।आंकड़ों के अनुसार जान गंवाने वाले 12,573 लोगों में से सबसे अधिक 5,751 लोग महाराष्ट्र के हैं।

एक नजर

महिला आयोग ने भीम आर्मी प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने सोशल मीडिया में महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस से दलित संगठन भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक एच सी अवस्थी को लिखे एक पत्र में कहा कि चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ महिलाओं पर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में संबंधित प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए और जल्द से जल्द कार्रवाई रिपोर्ट आयोग को भेजी जानी चाहिए। महिला आयोग ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा है कि चंद्रशेखर आजाद ने भीम आर्मी के अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर महिलाओं के लिए आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की है जो साइबर अपराध से संबंधित कानूनों के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर फिलहाल रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नये संसद भवन एवं संबंधित अन्य इमारतों के निर्माण से जुड़ी सेंट्रल विस्टा परियोजना पर फिलहाल रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के लिए सात जुलाई की तारीख मुकर्रर करते हुए कहा कि अगर कुछ कानून के मुताबिक हो रहा है तो उसे कैसे रोका जा सकता है। याचिकाकर्ता राजीव सूरी की ओर से पेश वकील शिखिल सूरी ने खंडपीठ के समक्ष दलील दी कि सरकार न्यायालय के समक्ष मामला लंबित होने के बावजूद इस परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करते जा रही है। इस पर न्यायमूर्ति खानविलकर ने कहा कि यदि सुनवाई लंबित रहते सरकार काम करवाती है तो इसमें उसी का जोखिम है। एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने दलील दी कि इस परियोजना के लिए सरकार से मंजूरी मांगी जा रही है।

मारुति कारों की ऑनरोड कीमत पर 100 फीसद मिल रहा है लोन

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी करूर वैश्य बैंक के साथ मिलकर नए ग्राहकों बेहद आसान कार लोन उपलब्ध करा रहा है। करूर वैश्य बैंक ग्राहकों को 15 मिनट में सैद्धांतिक ऋण मंजूर करता है और बैंक के मौजूदा ग्राहक उसी दिन ऋण प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कंपनी ने ऑनरोड कीमत पर 100 फीसदी लोन मुहैया कराने की भी बात कही है। बैंक के साथ मिलकर मारुति अपने ग्राहकों को कई तरह का ऑफर दे रही है। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि वैन ईको को छोड़कर सभी मॉडलों पर छह महीने की अवधि के साथ ऑनरोड कीमत पर 100 फीसदी लोन की सुविधा दी जा रही है। वहीं वेतनभोगी और स्वरोजगार दोनों तरह के ग्राहकों के लिए विशेष लोन देगी जिसे 84 महीने तक चुकाया जा सकता है। 22 राज्यों में करूर वैश्य बैंक की 780 शाखाओं के साथ 1,964 शहरों और कस्बों में 3,086 खुदरा दुकानों पर नई कार मारुति सुजुकी के नेटवर्क पर उपलब्ध होंगी। मारुति सुजुकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा, बदलते कारोबारी माहौल में आगे बढ़ने के लिए कंपनी ने यह कदम उठाया है। करूर वैश्य बैंक के साथ हमारा जुड़ाव हमारे ग्राहकों को एक नई कार के मालिक होने में सहूलियत देगा।

बुराड़ी में शुरू होगा 450 बेड का नया कोरोना अस्पताल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अस्पताल का दौरा कर लिया जायजा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार बुराड़ी में निर्मित हो रहे 700 बेड के अस्पताल में अभी 450 बेड का नया कोरोना अस्पताल शुरू करने जा रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अस्पताल का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस अस्पताल में हर तीसरे बेड पर ऑक्सीजन आपूर्ति की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि बुराड़ी में दिल्ली सरकार का 700 बेड का नया विश्व स्तरीय अस्पताल बन रहा है। कोरोना इलाज के लिए हम 450 बेड्स अभी शुरू कर रहे हैं। इसका जायजा लेने के लिए आज मैं और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया गए थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुराड़ी में बन रहे इस अस्पताल में काफी काम हो चुका है। अभी यहां पर 450 कोविड बेड बनाए जा रहे हैं। वैसे तो यह 700 बेड का अस्पताल बनाया जा रहा है। अभी योजना यह है कि कोरोना मरीजों के लिए यहां पर 450 बेड शुरू कर दिए जाएंगे।

अच्छी बात यह है कि यहां पर हर तीसरे बेड पर ऑक्सीजन की आपूर्ति है। यहां पर करीब 125 बेड पर ऑक्सीजन की आपूर्ति है और 125 बेड पर हम सिलेंडर से ऑक्सीजन दे देंगे। कोरोना का इलाज करने के दौरान के ऑक्सीजन की सबसे अधिक जरूरत पड़ती है।

हमें लगता है कि कोरोना के लिए नए बेड तैयार करने की हमारी जो कवायद चल रही है, उसमें यह काफी मददगार साबित होगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन का आज थोड़ा निमोनिया बढ़ गया है। आज उनका दोबारा से सिटी स्कैन कराया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके फेफड़े में निमोनिया के पैचेज कम होने की बजाय ज्यादा बढ़ गए हैं।

सुबह उन्हें बहुत ज्यादा थकान लग रही थी। डॉक्टरों से लगातार बात हो रही है। डॉक्टर जो भी सलाह देंगे, उसके मुताबिक उन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने का फैसला किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आॅल पार्टी मीटिंग में नहीं बुलाए जाने के सवाल पर कहा कि यह उनकी मर्जी है। इसमें मैं कुछ नहीं कहना चाहता हूं।

उनको जैसा ठीक लगता है, वो करें, लेकिन हम देश के साथ हैं। हम देश की सेना के साथ हैं। हम चाहते हैं कि चीन को सबक सिखाया जाए और चीन के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो।

इरोज ग्रैंड होटल में भी बनेगा कोविड अस्पताल, अदालत ने नहीं लगाई रोक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, इरोज ग्रैंड रिसॉर्टस एंड होट्ल्स प्राइवेट लिमिटेड के एक होटल को अस्थाई रूप से कोविड अस्पताल में बदले जाने संबंधी जिला प्रशासन के आदेश पर रोक लगाने से इंकार करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और हालात पर काबू पाने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे।

वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति नवीन चावला ने कहा कि जिला प्रशासन के आदेश पर रोक लगाने के लिए होटल चेन की ओर से दी गई अंतरिम अर्जी में कोई दम नहीं है।

अदालत ने हालांकि मुख्य अर्जी पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है जिसमें कोविड19 अस्पताल बनाने के लिए होटलों के अस्थाई अधिग्रहण संबंधी 12 जून के आदेश को चुनौती दी गई है। आदेश के अनुसार, ऐसे अस्पतालों में कोविड19 के इलाज के लिए चिह्नित निजी अस्पतालों के डॉक्टर इलाज करेंगे। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 11 अगस्त की तय की है।

होटल की ओर से पेश हुए वकील ने पूर्वी जिले के जिला मजिस्ट्रेट/जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार के अध्यक्ष द्वारा दिया गया आदेश सौंपते हुए कहा कि इसमें विवेक का उपयोग नहीं किया गया है क्योंकि रिकॉर्ड में इन विषयों पर बिल्कुल विचार नहीं किया गया है, जैसे... कोविड19 अस्पताल के रूप में उपयोग किए जाने वाले होटल के व्यावहारिक पहलुओं पर विचार नहीं किया गया है, डॉक्टरों और अन्य निंसग किर्मयों तथा होटल के कर्मचारियों की उपलब्धता आदि पर भी ध्यान नहीं दिया गया है। वहीं दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि कोरोना वायरस से संकग्रित लोगों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि के कारण कोविड19 मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ऐसे कदम उठाए गए हैं। वकील ने कहा कि ऐसे हालात के कारण ही प्रशासन ने शहर के विभिन्न होटलों के संबंध में ऐसे ही आदेश दिए हैं। अदालत ने इस संबंध में अंतरिम राहत देने से इंकार करते हुए कहा कि शहर में कोविड19 के मरीजों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि को संज्ञान में लिया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, ऐसे वक्त में सरकार को हालात पर काबू पाने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। ऐसे में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने का काम विशेषज्ञों पर छोड़ देना ही बेहतर होगा।

लेडी हार्डिंग अस्पताल के डॉक्टर आवास पर चोरी करने गया बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल के डाक्टर आवास में चोरी की एक घटना सामने आई है। बदमाश बृहस्पतिवार की आधी रात बाद वहां पहुंचा था। संयोग से एक छात्रा की नजर उसपर पड़ गई। छात्रा शोर न मचाए इसके लिए आरोपित ने गोली मारने की धमकी भी दी। बावजूद इसके छात्रा ने घटना की जानकारी गार्ड को दे दी। बाद में गार्ड ने पीछा कर बदमाश को धर दबोचा। उसके पास से छात्रा का पर्स भी बरामद कर लिया गया है। आरोपित की पहचान यश के रूप में हुई है। मंदिर मार्ग थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से राजस्थान की रहने वाली मंजू लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल से परास्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। वह अस्पताल में ही डाक्टर आवास में रहती हैं। बृहस्पतिवार की आधी रात बाद करीब तीन बजे वह शौचालय गई थी। तभी उन्होंने देखा कि एक युवक गेट पर झांक रहा है। जब छात्रा ने उसके बारे में पूछ तो युवक ने उन्हें डराना शुरू कर दिया। उसने कहा कि उसके पास पिस्टल है।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल एनआईपीएफपी के चेयरमैन नियुक्त

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

आर्थिक शोध संस्थान ने कहा कि पटेल 22 जून से यह पद संभालेंगे। वह विजय केलकर का स्थान लेंगे। केलकर ने एक नवंबर, 2014 को संस्थान के चेयरमैन का पद संभाला था। एनआईपीएफपी ने बयान में कहा, हमें इस बात की खुशी है कि रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल 22 जून, 2020 से चार साल के लिए संस्थान के चेयरपर्सन के रूप में हमसे जुड़ रहे हैं।'' एनआईपीएफपी ने केलकर के योगदान के लिए उनका आभार जताया है। बयान में कहा गया है कि केलकर ने संस्थान को मौजूदा स्तर की वृद्धि और दक्षता तक पहुंचाने में बड़ा योगदान दिया। पटेल ने 10 दिसंबर, 2018 को अचानक केंद्रीय बैंक के गवर्नर पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना इस्तीफा केंद्रीय बैंक के बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक से पहले दिया था।

इस बैठक में सरकार के साथ मतभेदों को दूर करने पर बातचीत होनी थी। पटेल वर्ष 1990 के बाद रिजर्व बैंक के ऐसे पहले गवर्नर रहे हैं जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले केंद्रीय बैंक से विदाई ली। अपने इस फैसले के लिए उन्होंने निजी कारणों' का हवाला दिया था। पटेल का तीन साल का कार्यकाल सितंबर, 2019 में पूरा होना था। वह दूसरे कार्यकाल के लिए भी पात्र थे। ज्यादातर गवर्नरों को दूसरा कार्यकाल मिलता रहा है। हालांकि, बेबाकी से अपनी राय रखने वाले पटेल के पूर्ववर्ती रघुराम राजन को दूसरा कार्यकाल नहीं मिला था। शुरुआत में पटेल को ड्क्षमट स्ट्रीट पर सरकार का आदमी माना जाता था। लेकिन दो साल से भी कम समय में उन्होंने अपनी इस छवि को तोड़ दिया और केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता और स्वतंत्रता पर अपनी आवाज उठाने लगे। पटेल, नैरोबी, के एक कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और येल विश्वविद्यालय में पढ़े हैं।

वर्ष 2013 तक वह केन्या के नागरिक थे। उन्हें जनवरी, 2013 में रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर बनाया गया। उससे पहले उन्होंने भारतीय नागरिकता ले ली थी।

अनाथ बच्चों के लिए कल्याण योजनाओं को लेकर दायर याचिका पर केंद्र, दिल्ली सरकार से जवाब तलब

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अनाथ बच्चों की शिक्षा, रहनसहन और जीवन यापन की अन्य संभावनाओं के लिए विस्तृत योजना का अनुरोध कर रही एक याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार से शुक्रवार को जवाब मांगा। बेसहारा बच्चे कोविड19 वैश्विक महामारी के इस दौर में उनके लिए सरकारी नीतियों के अभाव के चलते दुर्दशा झेल रहे हैं। मुख्य न्यायाधीसश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए याचिका पर सुनवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, दिल्ली सरकार और उसके सामाजिक कल्याण विभाग को नोटिस जारी किया। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई दो जुलाई तय की है। हरपाल सिंह राणा की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि उन्होंने अनाथ बच्चों के कल्याण, शिक्षा और रहनसहन के प्रबंध के लिए सरकार द्वारा लाई गई कल्याण योजनाओं पर सूचना के अधिकार कानून के तहत सूचना मांगी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें जो सूचना प्राप्त हुई उनमें अनाथ बच्चों के संबंध में भिन्नता थी। अखिल राणा के जरिए दायर याचिका में तीनचार मामलों का संदर्भ दिया गया जिनमें जिन बच्चों ने अपने मातापिता खो दिए वे अपने दादादादी या नानानानी के साथ रह रहे हैं और उन पर आश्रित हैं। इसमें कहा गया कि एक बच्चा था जिसके माता पिता मर चुके हैं और उसके छह भाई बहन हैं । याचिका में दावा किया गया कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने भी बच्चे को यही जवाब दिया कि चूंकि वह उसकी योजनाओं की पात्रता के नियमों एवं शर्तों के तहत नहीं आता इसलिए उसे किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा। रिश्तदारों के लिए उनका खर्च उठाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

गोल्फ, स्कूल खेलों, नौकायन के राष्ट्रीय महासंघों को सरकार से अस्थायी मान्यता मिली

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने अपने पहले के फैसले की समीक्षा के बाद गोल्फ, स्कूल खेलों और नौकायन के राष्ट्रीय शासी निकायों को अस्थायी मान्यता देने का फैसला किया है।दिल्ली उच्च न्यायालय में खेल मंत्रालय ने एक याचिका दायर की जिसके बाद इस बारे में पता चला।मंत्रालय से 11 मई को सितंबर तक के लिए 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों को अस्थाई मान्यता दी थी लेकिन भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू), भारतीय स्कूल खेलों महासंघ (एसजीएफआई) और भारतीय नौकायन महासंघ (आरएफआई) को मान्यता नहीं दी थी। राष्ट्रीय खेल महासंघों की मान्यता आम तौर पर वार्षिक होती है, लेकिन इस बार मंत्रालय ने इसे सितंबर तक ही बढ़ाने का फैसला किया जिस पर भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष

नरिंदर बत्रा के सवाल उठाया था। मंत्रालय ने 16 जून को एक हलफनामे में आईजीयू, एसजीएफआई और आरएफआई के ' सरकारी मान्यता के निलंबन / रोक को बहाल करने के अपने निर्णय की जानकारी दी।आईजीयू की मान्यता को 11 नवंबर 2018 को चुनाव नहीं करने के कारण खत्म कर दिया गया था क्योंकि अलीपुर की जिला अदालत ने 15 दिसंबर, 2018 को होने वाली वार्षिक आम सभा (एजीएम) की बैठक पर रोक लगा दी।

कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस साल 19 फरवरी को एक आदेश में एजीएम रखने पर रोक लगा दी।

आईजीयू ने तब 23 मार्च को चुनाव कराने का फैसला किया लेकिन कोरोना वायरस के कारण राष्ट्व्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर उसे स्थगित करना पड़ा।आईजीयू ने इसके बाद सरकारी मान्यता के विस्तार के लिए अनुरोध किया। मंत्रालय ने अदालत को सूचित किया कि इसे मान लिया गया है।

दिल्ली सरकार ने कोरोना से मुकाबला करने के लिए एनजीओ, स्वयंसेवियों से मदद मांगी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली सरकार शहर में कोविड19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए संदिग्ध लोगों के सर्वेक्षण और पृथकवास मामलों की निगरानी तथा प्रबंधन के लिए गैर सरकारी संगठनों, नागरिक संगठनों, एनसीसी और एनएसएस कैडेटों की मदद लेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गैरसरकारी संगठनों (एनजीओ) और लोगों से बड़ी संख्या में कोविड19 के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने की अपील की।उन्होंने कहा, 'दिल्ली मिलकर कोरोना से लड़ेगी। मैं सभी एनजीओ और लोगों से बड़े पैमाने पर इस प्रयास में शामिल होने की अपील करता हूं।' दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव ने बृहस्पतिवार को जारी एक आदेश में कहा कि जिला प्रशासन की मदद के लिए गैरसरकारी संगठनों, नागरिक संगठनों और स्वयंसेवियों के पंजीकरण के लिए एक वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा।स्वयंसेवियों की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए तथा उन्हें स्वस्थ और कोविड19 से मुक्त होना

चाहिए।अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन पहले तक कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 50,000 के करीब पहुंच गयी थी जबकि मृतकों की संख्या 1,969 हो गयी थी।

कोविड केयर सेंटर वाले डिब्बों को ठंडा रखेगी रेलवे, नया तरीका अपनाया

बुलबुले वाली पॉलीथिन एवं पेंट की मदद से कम करेंगे गर्मी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमितों के इलाज के लिए तैनात किए गए पृथकवास डिब्बों को ठंडा रखने के मद्देनजर रेलवे गर्मी रोकने वाले पेंट और बांस की चिक के अलावा बबल रैप्स जैसे नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है।

रेलवे ने एक बयान में कहा कि इन पृथकवास डिब्बों को शीट से ढका जा रहा है ताकि अंदर का हिस्सा ठंडा रह सके। ये डिब्बे पांच राज्य में कोविड सुविधा केंद्रों के तौर पर तैनात किए गए हैं। इसके मुताबिक, बबल रैप फिल्मस

(बुलबुले वाली पॉलीथिन) को भी डिब्बों पर लपेटा जा रहा है, जिसके जरिए डिब्बे के अंदर का तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक कम किए जाने की उम्मीद है।

इसी तरह, प्रयोग के तौर पर उत्तर रेलवे ने पृथकवास डिब्बों की छत पर गर्मी को कम करने में मददगार पेंट की परत चढ़ाई है और पाया गया कि इस तकनीक से अंदरुनी तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस तक कम किया जा सकता है।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक 'आईआईटी मुंबई के सहयोग से विकसित अन्य परत को चढ़ाने की भी योजना बनायी जा रही है। इसका परीक्षण 20 जून को किया जाएगा और नतीजे दर्ज किए जाएंगे। रेलवे अधिकारी के मुताबिक, डिब्बों के अंदर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने योग्य कूलर भी लगाकर आजमाया गया है और यह तीन डिग्री सेल्सियस तक तापमान में कमी लाने में सहायक साबित हुआ है। इसके मुताबिक, डिब्बों को ठंडा रखने से मरीजों को गर्मी के कारण परेशान नहीं होना पड़ेगा।

अधिकारी के मुताबिक, वातानुकूलित डिब्बों के इस्तेमाल से संक्रमण के प्रसार का जोखिम हो सकता है इसलिए नीति आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच हुई चर्चा के बाद पृथकवास डिब्बों में वातानुकूलन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया गया।

बैजल का फैसला रद करने की मांग की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उपराज्यपाल अनिल बैजल को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) का अध्यक्ष बनाने वाले कानून को चुनौती वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई टाल दी है। मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल व न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने कहा कि अभी याचिका पर नोटिस जारी नहीं करेंगे, इस पर अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान उपराज्यपाल की तरफ से पेश हुए स्टैंडिग काउंसल संजय जैन ने कहा कि डीडीएमए व दिल्ली सरकार इस आपदा की स्थिति में एकसाथ काम कर रहे हैं। जनहित याचिका में दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली के अस्पतालों में दिल्ली के निवासियों का ही इलाज करने के फैसले को उपराज्यपाल द्वारा पलटने के फैसले को रद करने की मांग की गई है। याचिका में दलील दी गई है कि दूसरे राज्यों के निवासियों को दिल्ली के संसाधनों का इस्तेमाल करने की अनुमति देकर डीडीएमए के अध्यक्ष के तौर पर उपराज्यपाल अपने अधिकार क्षेत्र से आगे चले गए हैं। अधिवक्ता धीरज कुमार सिंह ने याचिका दायर कर दावा किया गया है कि अस्पतालों में केवल दिल्ली के निवासियों का ही इलाज करने के दिल्ली सरकार के 7 जून के निर्देश को रद के फैसले को पलटने का उपराज्यपाल अनिल बैजल का 8 जून का आदेश आपदा प्रबंधन कानून (डीएमए) 2005 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

समान पाठ्यक्रम वाली शिक्षा प्रणाली के लिये न्यायालय में जनहित याचिका

नई दिल्ली। देश में 6 से 14 साल की आयु के सभी बच्चों के लिये समान पाठ्यक्रम वाली एक समान शिक्षा प्रणाली लागू करने के लिये उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गयी है। यह जनहित याचिका भाजपा नेता एवं अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में विभिन्न शिक्षा बोर्ड का विलय करके देश में 'एक राष्ट्र एक शिक्षा बोर्ड' स्थापित करने की संभावना तलाश करने का केन्द्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि केन्द्र और राज्यों ने संविधान के अनुच्छेद 21ए (निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा) की भावना के अनरूप देश में एक समान पाठ्यक्रम वाली शिक्षा प्रणाली स्थापित करने की दिशा में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है।याचिका में कहा गया है कि केन्द्र और राज्यों द्वारा मूल्यों पर आधारित समान शिक्षा उपलब्ध कराये बगैर बच्चे संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल नहीं कर पायेंगे। याचिका में कहा गया है कि शिक्षा का माध्यम भले ही संबंधित राज्य की शासकीय भाषा के अनुरूप भिन्न हो सकता है लेकिन 6 से 14 साल की आयुवर्ग के बच्चों के लिये शिक्षा का पाठ्यक्रम एक समान होना चाहिए।

वित्त मंत्रालय ने एलआईसी के विनिवेश के लिए वित्तीय सलाहकारों के आवेदन मांगे

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के विनिवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को परामर्श कंपनियों, निवेश बैंकरों और वित्तीय संस्थानों से 13 जुलाई तक आवेदन करने के लिए कहा। यह आवेदन एलआईसी के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की प्रक्रिया में परामर्श देने के लिए मांगे गए हैं। सरकार का एलआईसी के आईपीओ को लेकर निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की मदद के लिए आईपीओ से पूर्व दो सलाहकारों की नियुक्ति करने का प्रस्ताव है। माना जा रहा है कि यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में आवेदन पत्र जारी किया है। इसके मुताबिक सरकार ने आईपीओ लाने से पहले दीपम की मदद के लिए दो लेनदेन सलाहकारों को प्रक्रिया में शामिल करने का प्रस्ताव किया है। इसके लिए प्रतिष्ठित पेशेवर परामर्श फर्म, निवेश बैंकर, मर्चेंट बैंकर, वित्तीय संस्थान या बैंकों से आवेदन मांगे गए हैं। उपरोक्त लोग इस काम के लिए आवेदन और बोलियां 13 जुलाई 2020 तक जमा करा सकते हैं। इसके लिए आवेदक के पास आईपीओ, रणनीतिक विनिवेश, अधिग्रहण और विलय गतिविधियों में कम से कम तीन वर्षका अनुभव होना चाहिए। एक अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2020 के बीच कम से कम 5,000 करोड़ या उससे अधिक के आईपीओ में परामर्श की भूमिका निभायी हो या उसका प्रबंधन किया हो।

दिल्ली: 24 घंटे में 2877 मामले, 65 लोगों की मौत

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस का संक्रमण लाख कोशिशों के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के संक्रमण ने फिर अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ताजा आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को एक दिन में रिकॉर्ड 2877 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में 65 लोगों की जान इस संक्रमण की वजह से गई है। बता दें कि दिल्ली में कोरोना के कुल मामले में 49979 हो गए हैं। वहीं, 21341 लोगों ने कोरोना को मात दे दी है। कोविड संक्रमण की वजह से दिल्ली में अब तक 1969 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर, दिल्ली में कोरोनावायरस टेस्टिंग के दाम घटा दिए गए हैं। यहां कोरोना का टेस्ट कराने के लिए लोगों को अब पहले से आधे पैसे खर्च करने होंगे। दिल्ली सरकार में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को इसकी घोषणा कर दी। उन्होंने एक ट्वीट कर बताया कि अब दिल्ली में कोविड **RT-PCR** टेस्ट की कीमत 2400 रुपये कर दी गई है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, दिल्ली सरकार ने कोविड **RT-PCR** टेस्ट की कीमत कुल चार्ज मिलाकर 2400 रुपये करने का फैसला किया है। देश में भी कोरोना वायरस का कहर कम होता नहीं दिख रहा है। रोज सामने आने वाले संक्रमण के मामलों की संख्या पिछले दिन से ज्यादा ही हो रही है। 18 जून यानी गुरुवार को देश में पिछले 24 घंटे में **COVID-**19 के सबसे ज़्यादा 12,881 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, 334 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इतने केस सामने आने के बाद देश में अब तक के कुल पॉजिटिव मामलों

की संख्या 3,66,946 हो चुकी है। देश में अब तक कोरोनावायरस से मरने वालों की संख्या 12,237 हो गई है।

दिल्ली पुलिस के डीसीपी कोविड 19 से संक्रमित

दिल्ली पुलिस के एक उपायुक्त (डीसीपी) के शुक्रवार को कोविड 19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि डीसीपी इस समय घर में पृथकवास में हैं। उनके दफ्तर को संक्रमणमुक्त किया जा रहा है और उनके तीन सहयोगी कर्मियों को भी घरों में पृथक वास में भेज दिया गया है। अधिकारी के अनुसार, डीसीपी की जांच रिपोर्ट में शुक्रवार को संक्रमण होने की पुष्टि हुई। पुलिस के अनुसार, संक्रमण के स्रोत का अभी पता नहीं चला है, लेकिन पूरी संभावना व्यक्त की जा रही है कि उन्हें एसीपी स्तर के एक अधिकारी से संक्रमण हुआ होगा। इससे पहले दिल्ली पुलिस के दो आईपीएस अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित मिले थे।

इस बीमारी से अब तक दिल्ली पुलिस के 800 से ज्यादा कर्मी संक्रमित मिले हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने पहले कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के साथ कोविड19 संक्रमित पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा था कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि महामारी से बल का मनोबल नहीं प्रभावित हो।

शाहदरा डीएम कार्यालय के 18 कर्मचारी कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। नंद नगरी स्थित शाहदरा जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय में 18 कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी को घर में ही आइसोलेट किया गया है, इसके साथ उनके संपर्क में आए हुए लोगों को घर में ही क्वारंटाइन किया गया है। पूरे जिलाधिकारी कार्यालय को सैनिटाइज किया गया है। इतनी संख्या में कोरोना मरीज सामने आने पर अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के चेहरे की हवाईयां उड़ी हुई हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि सरकार की ओर से कोविड19 टेस्टिग सेंटर की संख्या बढ़ाई गई है, इसके बाद प्रशासन के कर्मचारियों ने 15 जून को टेस्ट करवाए थे। बृहस्पतिवार शाम को 18 कर्मचारियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद उन्हें घर में ही आइसोलेट कर दिया गया है। जिलाधिकारी कार्यालय में जितने भी कार्यालय बने हुए हैं, सबको सैनिटाइज करवाया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों से अपील भी की जा रही है कि वह बहुत ही जरूरी काम हो तभी जिलाधिकारी कार्यालय में आएं। शाहदरा जिलाधिकारी कार्यालय के पास से ही उत्तरी पूर्वी के जिलाधिकारी का भी कार्यालय बना हुआ है, यहां के कर्मचारियों को भी अपने स्वास्थ्य की चिता सताने लगी है। वह अभी अपना टेस्ट करवाने की मांग कर रहे हैं।

राजधानी दिल्ली से अब सक्षम लोग भी कर रहे पलायन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। लॉकडाउन के दौरान अब तक प्रवासी मजदूरों के शहरों से गाँवों की तरफ पलायन की खबरें प्रमुखता से आ रही थीं। हजारों प्रवासी मजदूर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा पर परिवार सहित पैदल ही चले जा रहे थे। ग्रामीण पृष्ठभूमि का शहरों में रहने वाला संभ्रांत वर्ग अपने घरों में ही बंद था। परन्तु जैसे जैसे दिल्ली में कोरोना संक्रमण का प्रकोप बढ़ा और स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराने लगी तो दिल्ली में रहने वाले ऐसे परिवार भी दिल्ली से अपने पैतृक गाँव की ओर पलायन करने लगे हैं।

दिल्ली से अपने गृह राज्य बिहार की ओर अपनी निजी कार से परिवार सहित पलायन कर रहे आशीष रंजन ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि वो एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में मैनेजर हैं। कोरोना संकट में आफिस बंद है और घर से ही काम हो रहा है। उनकी सैलरी भी बराबर आर ही है। लॉकडाउन खुलने के बाद भी वो दिल्ली में ही रहे थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में जिस प्रकार संक्रमण के मामले बढ़े हैं, दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। हम अपने घर गोपालगंज जा रहे हैं। यहां पर डर लगने लगा है। भगवान ना करे यहां कुछ हो गया तो कोई देखने

वाला भी नहीं है। गाँव में सबकुछ है, घर बन्द पड़ा है।

जब तक दिल्ली के हालात नहीं सुधरते गाँव में ही रहेंगे। प्रयागराज के एक छोटे से गाँव के मूल निवासी विनय शर्मा एक फार्मा कंपनी में सेल्स मैनेजर हैं। वो दिल्ली में पत्नी, साली और दो बच्चों के साथ रहते हैं। विनय भी परिवार को अपने पैतृक गाँव छोड़ने जा रहे थे। विनय ने बताया कि दिल्ली के हालात भयावह हैं इसलिए वो अपने परिवार को गाँव में सुरक्षित रखना चाहते हैं। यदि कंपनी दवाब डालेगी तो वो अकेले लौट आएंगे, पर जब तक दिल्ली में स्थिति सुधर नहीं जाती, परिवार को गाँव में ही रखेंगे। विनय ने बताया कि गांव में कोरोना कोरोनावोरोना कुछ नहीं है। लोग अपनी सामान्य जिंदगी जी रहे हैं। गावँ में सब्जियां फ्री की हैं। दूध भी 35 रुपये लीटर मिल जाता है। वहाँ कूलर पंखे से ही काम चल जाता है। शहर जैसा खर्चा नहीं है। स्कूल अभी बंद हैं इसलिए गाँव के अधिकतर लोग अपने गावँ की तरफ पलायन कर रहे हैं।

रेहड़ी रखने के विवाद में चाकू घोंप भाई की कर दी हत्या

नई दिल्ली। वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में रेहड़ी रखने के विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की चाकू घोंपकर हत्या कर दी और भाभी व भतीजे को भी घायल कर दिया। मृतक की पहचान रमेश के रुप में हुई है। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया है, जबकि दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बाबत अशोक विहार थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रमेश अपनी पत्नी बीणा देवी व बेटे युवराज के साथ वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ईब्लॉक झुग्गी में रहते थे और रेहड़ीपटरी लगाकर परिवार का गुजारा करते थे। पड़ोस में ही उनका छोटा भाई जग्गू भी परिवार के साथ रहता है और वह भी रेहड़ीपटरी लगाता है। दोनों के बीच पिछले कई सालों से घर के पास रेहड़ी रखने को लेकर विवाद होता रहता था। बृहस्पतिवार की देर रात करीब 11 बजे रमेश अपने घर पर मौजूद थे, दोनों के बीच रेहड़ी रखने को लेकर एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान जग्गू ने चाकू से रमेश पर वार कर दिया।

कोविड के मरीजों की उचित देखभाल के लिये राज्य विशेषज्ञ दल गठित करें: न्यायालय

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कोविड19 के मरीजों की ठीक से देखभाल सुनिश्चित करने के लिये विशेषज्ञों के दल गठित करने और अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का राज्यों को निर्देश देगा।

इस बीच, न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस की जांच की अलग अलग दरों का जिक्र करते हुये केन्द्र से कहा कि इस बारे में एकरूपता लाने पर निर्णय करे। कोविड19 की जांच की दरों में एकरूपता लाने पर जोर देते हुये शीर्ष अदालत ने कहा कि कुछ राज्यों में यह 2200 रूपये है जबकि अन्य राज्यों में 4,500 रूपये है। इस तथ्य का जिक्र करते हुये न्यायालय ने यह मामला केन्द्र पर छोड़ दिया।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये सुनवाई करते हुये कहा कि सभी राज्यों को अपने यहां अस्पतालों के निरीक्षण के लिये विशेषज्ञों का दल गठित करना चाहिए ताकि कोविड19 के मरीजों की सही तरीके से देखभाल सुनिश्चित की जा सके। पीठ ने कहा कि कोविड मरीजों की सही तरीके से देखभाल

सुनिश्चित करने के लिये अस्पतालों में सीसीटीवी लगाने के बारे में आदेश देने पर वह विचार करेगी।

दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल के मामले में पीठ ने कहा कि इसके वार्डों में सीसीटीवी लगाने की आवश्यकता है ताकि वहां की प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जा सके। न्यायालय ने इस अस्पताल की स्थिति को पिछले सप्ताह बहुत ही लोमहर्षक बताया था।

केन्द्र की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय से कहा कि कोविड19 की जांच के दाम कम करने के लिये कुछ राज्य सरकारें विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत कर रही हैं। न्यायालय ने कहा कि इस संबंध में वह कुछ निर्देश देगा और इसके साथ ही उसने स्वतः संज्ञान में लिये गये इस मामले की सुनवाई जुलाई के लिये सूचीबद्ध कर दी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली में कोविड 19 के लिये निर्दिष्ट लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में कोरोना वायरस के मरीजों के बगल में शव रखे होने के 'लोमहर्षक' दृश्यों का 12 जून को स्वतः संज्ञान लिया था। न्यायालय ने इसे गंभीरता से लेते हुये सख्त लहजे में कहा था कि यह सरकारी अस्पतालों की दयनीय हालत बयां कर रहे हैं।

लॉकडाउन: SC वीडियो कांफ्रेन्सिग सुनवाई करने वाले वैश्विक नेता के रूप में उभरा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय कोविड की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई करने वाले वैश्विक नेता के रूप में उभरा है और वह इस अवधि में सात हजार से ज्यादा मामलों की सुनवाई करने का विशेष लक्ष्य हासिल करेगा। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शीर्ष अदालत शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई के 57वें दिन 7,197 मामले की सुनवाई करेगा जबकि उसकी 11 पीठ 206 मामलों की सुनवाई करेंगी। भारत में 25 मार्च से शुरू हुये लॉकडाउन के बाद से उच्चतम न्यायालय की 617 पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से 6,991 मामलों की सुनवाई की।

इन 617 पीठ में से 293 ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुख्य मामलों की सुनवाई की जबकि 324 पीठ ने पुनर्विचार याचिकाओं पर गौर किया।इसी तरह, रजिस्ट्रार के न्यायालय ने भी 150 मामलों पर विचार किया। वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई में वकीलों की भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुये और वीडियो लिंक के जरिये करीब 25,000 वकीलों ने इसका उपयोग किया।

शीर्ष अदालत की विभिन्न पीठ ने इस दौरान 670 फैसले सुनाये। इनमें 132 मुख्य मामले थे जबकि 538 इनसे जुड़े हुये प्रकरण थे।

इस अवधि में न्यायालय ने जेलों में कोरोना वायरस की रोकथाम और वीडियो कांफ्रेन्सिग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई के लिये दिशा निर्देश जैसे महत्वपूर्ण मामलों में फैसले सुनाये। इस तरह वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई करने वाले न्यायालयों में उच्चतम न्यायालय सबसे आगे रहा है।

दिल्ली में एंटीजन टेस्ट को मिली ICMR की मंजूरी, 24 घंटे में 7000 टेस्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, कोरोना से लड़ाई लड़ने के लिए गृह मंत्रालय ने दिल्ली को एंटीजन टेस्ट किट के रूप में मजबूत हथियार दिया है। दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव की संख्या को देखते हुए इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने एंटीजन टेस्ट किट को मंजूरी देने में तनिक भी देर नहीं की। इस किट को मंजूरी देने से पहले दिल्ली स्थित एम्स और आईसीएमआर ने परीक्षण किया। उसके बाद ही इस किट से जांच की अनुमति दी। मंजूरी मिलते ही दिल्ली में 24 घंटे के अंदर ही 7 हजार सैंपलों को टेस्ट कर 30 मिनट में रिपोर्ट भी दे दी गई।

गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के सभी कोविड इलाज के लिए चयनित सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में इस किट को प्रयोग करने का सुझाव दिया

राजधानी में चिंताजनक हालात को देखते हुए आईसीएमआर की पहल

गया है। इस किट के व्यापक इस्तेमाल से दिल्ली में कोरोना टेस्ट की क्षमता में गुणात्मक बढ़ोत्तरी होगी। इसका प्रमाण यह भी कि दिल्ली में बीते 24 घंटे के अंदर 7 हजार कोरोना सैंपलों का टेस्ट तो किया ही गया, साथ ही 30 मिनट में उसकी रिपोर्ट भी प्राप्त हो गई। रिपोर्ट के आधार 7 हजार में से 450 सैंपल पॉजिटिव मिले। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्रेसिंग टेस्टिंग और ट्रीटिंग के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश तहत तुरंत सिख किसानों को राहत दें सरकार: जीके

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर और लखीमपुर खीरी में सिख किसानों को उनकी जमीनों से वन विभाग द्वारा उजाड़ने से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश लागू करने के लिए 'जागो' पार्टी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा हैं। पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे पत्र में सिख किसानों को उत्तर प्रदेश सरकार के वन विभाग द्वारा परेशान करने की विस्तार से जानकारी दी है। साथ ही जीके ने जनपद पीलीभीत के सिख किसानों की नानक सागर डैम बनने के कारण छीनी गई जमीन के बदले सिख किसानों को जमीन दिलवाने की भी प्रधानमंत्री से माँग की हैं। दिल्ली सिख गुरद्वारा प्रबन्धक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जीके ने बताया कि उत्तर प्रदेश में भारतपाकिस्तान बंटवारे के बाद आकर बसने वाले सिखों द्वारा अपने खूनपसीने से उपजाऊ बनाई गई जमीनों पर वन विभाग द्वारा कब्जा करने की की कोशिशें हो रही है। इस संबंधी कई पीड़ित सिख किसानों की ओर से हमें संपर्क किया गया हैं। पहला मामला जनपद बिजनौर की तहसील नगीना के ग्राम चंपतपुर में 1950-1955 में आकर अपनी जमीन खरीद करके आबाद हुए कुछ सिख परिवारों का हैं, उस समय की सरकारों ने खाली पड़ी बेआबाद जमीन उक्त किसानों को खेती के लिए मौखिक तौर पर उस समय दे दी थी। जिसको अपनी मेहनत तथा जंगली जानवरों के हमलों को झेलते हुए सिख किसानों ने उपजाऊ तथा आबाद किया और इस समय उक्त किसानों की तीसरीचैथी पीढ़ी इन जमीनों पर खेती कर रहीं हैं। जिसके लिए बाकायदा उक्त जमीनों पर खेती के लिए नलकूपों पर किसानों ने बिजली कनेक्शन लिए हुए हैं तथा वर्षों से पक्के मकान बनाकर अपने परिवार सहित यह लोग रह रहें हैं।

दो नाइजीरियाई नागरिकों की हिरासत के खिलाफ प्रदर्शन के अनुरोध पर फैसला करे दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली,(वेबवार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस से शुक्रवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश में दो नाइजीरियाई नागरिकों को कथित रूप से अवैध हिरासत में लिए जाने के खिलाफ यहां उत्तर प्रदेश भवन के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति मांगने संबंधी नाइजीरिया के

एक क्षेत्र ब्रायफ्रा के लोगों के एक संगठन के अनुरोध पर तीन दिन में फैसला करे। न्यायमूर्ति नवीन चावला ने दिल्ली पुलिस से अनुरोध पर विचार करने को कहा। यह याचिका इंडीजीनस पीपुल ऑफ बायफ्रा (आईपीओबी) ने दायर की है। इसमें दावा किया गया है कि नाइजीरिया के दो नागरिकों को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है और उन्हें पिछले साल सितंबर से कथित रूप से अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया है।दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने बताया कि अदालत ने एजेंसी को आईपीओबी के अनुरोध पर तीन दिन में फैसला करने को कहा और याचिका का निपटारा कर दिया। वकील कमलेश कुमार मिश्रा और कृति कुमारी के जरिए दायर की गई याचिका में कहा गया है कि नाइजीरिया के दोनों नागरिकों को ग्रेटर नोएडा जिले में 49वीं बटालियन के सूरजपुर पुलिस लाइन में कथित तौर पर 'अवैध तरीके से' पिछले आठ महीने से ज्यादा समय से हिरासत में रखा गया है और वकीलों समेत किसी को भी उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामले की कोई जानकारी नहीं दी, न ही उनकी गिरफ्तारी का कोई कारण बताया है। याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई और राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए आईपीओबी ने 16 जून को दिल्ली पुलिस को एक अनुरोध भेजकर 23 जून या किसी अन्य तारीख पर उत्तर प्रदेश भवन के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की इजाजत मांगी थी। इसमें कहा गया है कि दिल्ली पुलिस से संगठन को कोई जवाब नहीं मिला, इसलिए उसने उच्च न्यायालय का रुख किया है।

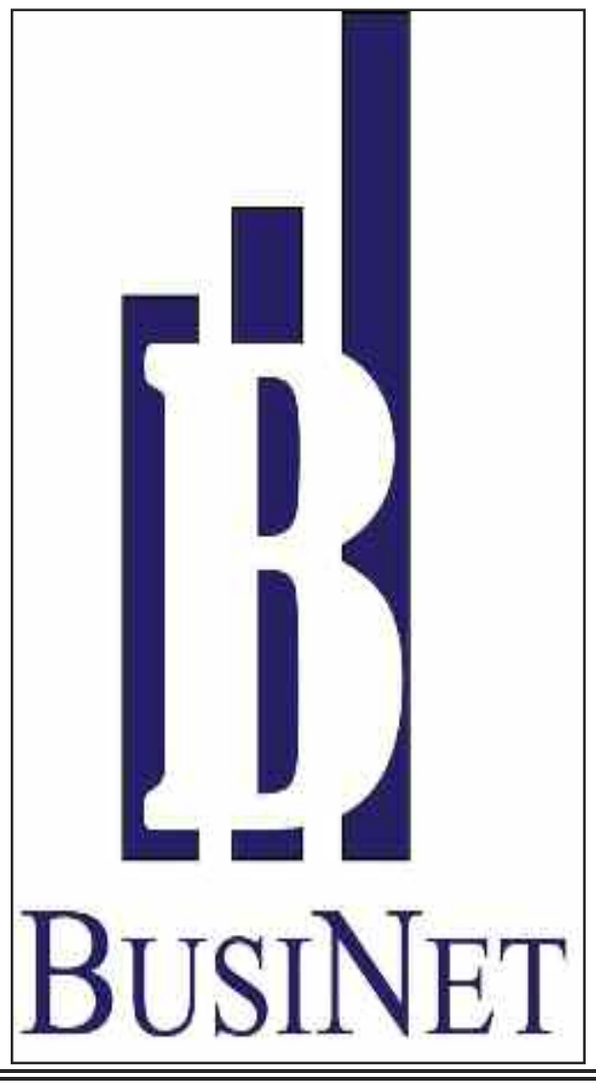

संपादकीय

आत्मनिर्भर बनेगा देश, चीन समेत विदेशी कंपनियों से घटेगी निर्भरता

कोरोना महामारी के कारण लगभग दो माह के लॉकडाउन के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को वापिस पटरी पर लाने की चुनौती अब हम सभी के सामने है। न केवल भारत बल्कि विश्व में कई देशों द्वारा धीरेधीरे अपनी आर्थिक गतिविधियों को पुनः प्रारम्भ किया जा रहा है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक उद्बोधन में भरोसा जताया है कि कोरोना महामारी के कारण संकट से जूझ रही भारतीय अर्थव्यवस्था शीघ्र ही पुनः पटरी पर लौट आएगी। उन्होंने कहा है कि कोरोना महामारी से निपट कर देश निश्चित तौर पर अपनी विकास दर को हासिल कर लेगा और यह मुमकिन है। इस विश्वास के पीछे उनके पास कई कारण भी हैं।

कोरोना महामारी के बाद खोली जा रही अर्थव्यवस्था में क्षेत्रीय (सेक्टोरल) बदलाव देखने को मिल सकता है। देश के आर्थिक विकास में कृषि का योगदान बहुत कम है, जो लगभग 16 प्रतिशत रहता है, जबकि देश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है। इसके चलते गावों में ग़रीबी की दर बहुत अधिक रहती है। देश के आर्थिक विकास में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लम्बे समय से लगभग स्थिर है। अभी तक केवल सेवा क्षेत्र ही तेज़ी से बढ़ रहा था। लेकिन अब शायद देश के आर्थिक विकास में, कुछ अवधि तक, सेवा क्षेत्र का योगदान भी कम हो सकता है क्योंकि यह क्षेत्र कोरोना महामारी के चलते बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। पर्यटन उद्योग, होटेल उद्योग, विमान सेवाओं सहित यातायात उद्योग, आदि जो हाल ही में कोरोना महामारी के चलते बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं, ये सभी उद्योग सेवा क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं। सेवा क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों को शायद लस्ज्ञ के अंतर्गत करों में कुछ रियायत दिए जाने की आवश्यकता पड़ सकती है, ताकि ये उद्योग तेज़ी से पटरी पर वापिस लौटें। देश में इसी क्षेत्र में रोज़गार के अधिकतम अवसर उत्पन्न होते हैं। अतः लस्ज्ञ के माध्यम से सेवा क्षेत्र को अधिकतम लाभ दिया जा सकता है।

हाल ही में देश में कई क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं। शुरुआत में हमें देश में बुनियादी ढाँचे एवं लाजिस्टिक के विकास की ओर ज़्यादा ध्यान देना होगा। रेलवे, राजपथ, बंदरगाह, आदि इन सभी क्षेत्रों की समस्याएँ प्राथमिकता के आधार पर हल करनी होंगी। ऊर्जा, रक्षा, हवाई अड्डा जैसे क्षेत्रों में बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता है। इस समय इन क्षेत्रों में ख़र्च बढ़ाया जा सकता है ताकि रोज़गार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हों। खुदरा एवं आवास निर्माण क्षेत्रों की ओर भी ध्यान दिया जा सकता है क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत अधिक मात्रा में तेज़ी से रोज़गार के नए अवसर निर्मित होते हैं। जिन क्षेत्रों में विभिन्न कारणों से परियोजनाएँ अटकी पड़ीं हैं, उनके मुद्दे अथवा समस्याएँ सुलझाकर उन्हें तुरंत चालू किया जाना चाहिए। कोयला क्षेत्र एवं खनन के क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक फ़ार्मेसी हब के रूप में उभर रहा है। गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देकर इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत आगे तक ले जाया जा सकता है। फ़ार्मेसी क्षेत्र में कई उत्पादों के कच्चे माल के लिए हमारे देश की कम्पनियाँ चीन पर निर्भर हैं। इस निर्भरता को बिल्कुल ख़त्म करने की अति आवश्यकता है ताकि भारत में ही इस कच्चे माल को निर्मित किया जा सके।

भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भरता हासिल करनी है। वर्तमान में कई तरह के उत्पाद जो देश में ही आसानी से निर्मित किए जा सकते हैं, उनका आयात भी हम चीन से करने लगे हैं। जैसे, बच्चों के लिए खिलौने, बिजली का सामान, दवाईयों के लिए कच्चा माल, भगवान की मूर्तियाँ, कृत्रिम फूल, आदि। यदि इस तरह की वस्तुओं का चीन से आयात बंद कर भारत में ही पुनः निर्माण होने लगे तो देश में ही रोज़गार के करोड़ों अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

चीन से लड़ाई भारत को खुद ही लड़नी होगी

भारतचीन के बीच गलवान घाटी में हुई तीखी खूनी झड़प के बाद चीन को अब समझ में आ गया है कि अब उसका पाला 2020 के नये भारत से पड़ा है। भारत अपनी एकएक इंच भूमि के लिए कोई भी बलिदान देने के लिए तैयार है। भारत के 20 शूरवीर शहीद अवश्य हुए पर चीनी सैनिकों के हमले के बाद तत्काल जवाबी कारवाई में उन्होंने चीन को भारी क्षति पहुंचाई। 43 से अधिक चीनी जवान उनके कमांडिंग ऑफिसर समेत मारे गए। झड़प के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया को ध्यान से देखने और समझने की जरूरत है । बड़े ठंढे दिमाग से नपेतुले शब्दों में उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। भारतीय सैनिक मारते हुए मरे हैं। यानी प्रधानमंत्री का कहना था कि केवल भारतीय सैनिकों का ही नुक़सान नहीं हुआ है। उनके वक्तव्य को समझने की जरूरत है। संदेश साफ दे दिया गया है कि अब भारत किसी हालत में 1962 की तरह पीछे नहीं हटेगा। चीन की दादागिरी का माकूल जवाब दिया जाएगा। अब चीन को उस जमीन को भी वापस करने की प्रक्रिया चालू करनी होगी जो उसने भारत से 1962 में हड़प ली थी। गलवान घाटी हादसे के बाद भारत का आक्रामक रवैया अपनेआप बहुत कुछ कहता है। भारत ने साफ कर दिया है कि सीमा पर जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए शतप्रतिशत चीन जिम्मेदार है और यह कदम उसने सोचसमझकर उठाया था। यह घटना चीन के उकसावे और पहले से सोची समझी रणनीति के तहत हुई है, जिसके चलते हिंसा हुई है। आख़िरकार, 16वीं बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष बाबू, यही तो देखने गये थे कि चीन आपसी बातचीत में तय हुई शर्त के अनुसार गलवान घाटी में अपनी सीमा पर पीछे लौटा है या नहीं, जबकि, उनके सिर के पीछे लोहे के राड से हमला कर मार दिया गया । इसके बाद तो बिहार रेजिमेंट के रण बांकुरों ने उनका जमकर जवाब दिया और 20 के बदले 43 चीनी सैनिकों को मारकर ही दम लिया ।

चौकन्ना रहने की जरूरत

बहरहाल, अब देश को कई स्तरों पर चौकन्ना रहना होगा। चीन तो हमारा शत्रु है ही, देश के भीतर भी अनेकों चीन समर्थक जयचंद मौजूद हैं। चीनी एक्शन के बाद जब खबरें छनछन कर आने लगीं तो सोशल मीडिया पर भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गुस्सा जताने की बजाय बहुत सारे जयचंद मोदी सरकार को ही घेर रहे थे। मोदी सरकार की नीतियों को ही बुराभला कह रहे थे। वे मोदी सरकार को मुसलमानों का शत्रु भी बता रहे थे। कोई इनसे पूछे कि कम से कम वक्त की नजाकत को तो समझो । देश पर एक बड़ी विपत्ति आई हुई है और आप लगे गिलेशिकवे निकालने । यह तो जिस थाली में खा रहे हो उसी में छेड़ करने वाली ही बात हुई न ? यह देश के कुछ खातेपीते अघाते वर्ग के दोगले किस्म के लोगों की कहानी है। इन्होंने कभी सरहद में छिड़ी जंग को देखना तो दूर, कभी सीमा को भी नहीं देखा है। हां, ये ज्ञान देने में सबसे आगे हैं। क्योंकि, इन्हें ज्ञान बाँटने के लिये विदेशी पैसे और पुरस्कार मिलते हैं । इन्हें देखकर समझ आ जाता है कि क्यों यह देश सैकड़ों साल गुलाम रहा। इनकी नीचता ने सारी हदें तब पार कर लीं जब ये कहने लगे कि शहीद हुए जवान तो बिहार से थे। इसका राजनीतिक लाभ भाजपा आगामी बिहार चुनावों में लेगी। तो समझ लें कि अब ये इस देश के शहीदों को भी किसी प्रदेश या जाति के आधार पर पहचानेंगे । यह सब भारत में कभी नहीं हुआ था जो अब हो रहा है। क्या देश के लिए कुर्बान हुए सैकड़ों शहीदों को हम उनके धर्म, जाति या प्रदेश के आधार पर जानते हैं। याद रखें कि देश के भीतर पल रहे इन शत्रुओं पर सख्त नजर रखनी होगी। इसी तरह से कुछ कथित रक्षा विशेषज्ञ भी भारतीय सेना को कमजोर दिखाने में लगे हुए हैं। मैं उनके नाम तो लेना नहीं चाहता पर वे दोनों देशों के बीच हुए झड़प को कुछ इस तरह से पेश कर रहे हैं कि नुकसान सिर्फ हमारा हुआ है। ये दिल्ली में बैठकर महाभारत के संजय की तरह रणभूमि का सूरते हाल देश को बता रहे हैं। लेकिन, उन्हें पता होना चाहिये कि अब धृतराष्ट्र का युग समाप्त हो चुका है । अब देखिए कि विश्वसनीय विश्व मीडिया यह बता रहा है कि भारतीय सेना ने चीन की सेना को भी बड़ी क्षति पहुंचाई है। चीन में एक तरह की नादिरशाही है, वहां प्रेस पर भी सरकार का ही पूरा नियंत्रण है। इसलिए चीन मृतक सैनिकों की संख्या छुपाता है। हमारे सर्वज्ञानी रक्षा जानकार बता रहे हैं कि हमारे जवान सामान्य रूप से सीमा पर तैनात थे तब चीनी सैनिकों ने उन पर लोहे के रॉड के साथ हमला कर दिया। जब हमारी तरफ से सैनिक आये, तब तक चीनी सैनिक हज़ार से ज्यादा आ गए, एक पतली रिज पर भगदड़ मची और चट्टानें गिरने के कारण कई लोग गहरी घाटी में गिर गए। लेकिन चीनी सेना के भी पचास से अधिक जवान नीचे खाई में गिरे हैं। यह नहीं बताया जा रहा है। एक बात दुनिया जान ले कि हमारे जवान शारीरिक रूप से चट्टान की तरह मजबूत हैं। वे आमने सामने के युद्ध में किसी को भी पानी पिला देंगे। चीन हमारे जवानों से जीतने की उम्मीद नहीं कर सकता। भारतीय सेना के जवानों का प्रशिक्षण और शारीरिक क्षमताओं पर सवाल खड़े करने की कोई ना सोचे। हिंसक झड़प में चीनी सैनिकों को भी काफी नुकसान हुआ। यह बात इसलिए सामने आई, क्योंकि झड़प के बाद घटनास्थल पर कई चीनी एम्बुलेंस आईं और साथ ही चीनी हेलिकॉप्टरों की मूवमेंट भी बढ़ी। चीनी हेलीकॉप्टरों द्वारा अपने बेस कैम्प को भेजे गये संदेशों में उन्होंने मृतकों की संख्या कमांडिंग ऑफिसर सहित 43 बताई है लेकिन, यह संख्या ज्यादा हो सकती हैं क्योंकि भारतीय सैनिकों के प्रहार से रिज (ढांग) से नीचे गिरे सैनिकों की संख्या तो इसमें है ही नहीं ।

गलवान घाटी की घटना के बाद भारत तैयार है। सीमा पर सभी जगह फॉरवर्ड पोस्टों के कंपनी कमांडरों को चीन की ओर से कोई हरकत होने पर तुरंत एक्शन लेने के आदेश दिए गए हैं। सेना ने लेह और बाकी सरहदों पर अपना मूवमेंट बढ़ा दिया है। इसके साथ ही लद्दाख से जो भी यूनिट्स पीस स्टेशनों को लौटने वाली थीं, उन्हें वहीं ठहरने को कहा गया है। सेना ने लद्दाख के आसपास के इलाकों में तैनात अपनी इकाइयों को लेह में कभी भी जाने के लिए तैयार रहने के आदेश दिए हैं। खासतौर पर कश्मीर और जम्मू में मौजूद यूनिट्स को किसी भी वक्त लेह जाने के आदेश दिए जा सकते हैं। मतलब साफ है कि इस बार नीच चीन को छोड़ा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री का कहना साफ है । हम कभी भी किसी को छेड़ेंगें नहीं । लेकिन, जो हमें छेड़ेगा, उसे छोड़ेंगें भी नहीं । भारतचीन के दरम्यान जो कुछ हो रहा है, उस पर सारी दुनिया की चुप्पी सच में डरावनी सी लगती है। कोई भी देश खुलकर भारत के साथ नहीं आया है। क्या दुनिया को पता नहीं है चीन की विदेश नीति के संबंध में और उसके आक्रामक रुख के बारे में? सबको पता है, लेकिन कोई शायद खुलकर बोलेगा नहीं। अब दुनिया पहले वाली नहीं रही है। 1962 की जंग के समय जॉन एफ कैनेडी की एक धमकी के बाद चीन ने युद्ध रोका था। पर अब कैनेडी जैसी शख्सियतें दुनिया में रही कहां है। अब भारत को अपने स्तर पर ही चीनी को जवाब देना होगा। दुनिया तो उसी के साथ होती है जो खुद मजबूती से दुश्मनों का मुकाबला करता है ।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

कांग्रेस में आगे लाना होगा युवा नेतृत्व

कांग्रेस पार्टी अभी भी इस बात को नहीं समझ पा रही है कि आज उसके लिए समय बदल गया है। कभी देश पर एकछत्र राज करने वाले कांग्रेस पार्टी का आधार सिमट चुका है। कांग्रेस के नेताओं को इस सत्य को स्वीकार करना ही होगा। कांग्रेस के नेता जितनी जल्दी इस सत्य को स्वीकार करेंगे उतना ही कांग्रेस के लिए अच्छा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में आने के बाद कांग्रेस के प्रभाव में लगातार कमी आती जा रही है। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के हाथों करारी शिकस्त खाने के बाद कांग्रेस पार्टी एकएक कर देश के कई प्रदेशों में भी सत्ता से बाहर हो चुकी है। कांग्रेस के कई बड़े दिग्गज नेता चुनाव में शिकस्त खा चुके हैं। मगर फिर भी कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता अपने पुराने रवैया पर ही अड़े नजर आते हैं। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी की सलाहकार मंडली में शामिल अधिकांश नेता वृद्ध हो चुके हैं तथा शारीरिक रूप से भाग दौड़ करने में सक्षम नहीं है। लेकिन फिर भी वह बड़े पदों पर जमे हुए हैं। नए नेताओं के लिए पद छोड़ने को तैयार नहीं है। हाल ही में संपन्न हो रहे कई राज्यों के राज्य सभा चुनाव में भी कांग्रेस के पुराने नेताओं का ही दबदबा देखा गया है।

पिछले लोकसभा चुनाव में हार चुके कांग्रेस के बुजुर्ग नेता मलिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस पार्टी ने फिर से राज्यसभा में भेज दिया है। जबकि उनका बेटा प्रियंक खड़गे भी कर्नाटक में विधायक है तथा कुमार स्वामी की सरकार में मंत्री भी रह चुका है। मलिकार्जुन खड़गे के मुकाबले भाजपा ने कर्नाटक में विद्यार्थी परिषद से जुड़े जिला स्तर के दो अनजान लोगों को राज्यसभा की टिकट दी है। कर्नाटक में कांग्रेस यदि मल्लिकार्जुन खड़गे की बजाए किसी नए युवा नेता को राज्यसभा में भेजती तो पार्टी को आगे चलकर काफी फायदा मिलता। मगर सोनिया गांधी के सलाहकारों ने खड़गे को ही राज्यसभा में भेजना उपयुक्त समझा। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह व चम्बल क्षेत्र के बड़े दलित नेता फूलसिंह बरैया को प्रत्याशी बनाया है। मगर हाल ही में घटे राजनीतिक घटना चक्र के चलते मध्य प्रदेश में कांग्रेस एक सीट पर ही जीत सकती है। ऐसे में पार्टी वहां दिग्विजय सिंह की बजाय फूलसिंह बरैया को राज्यसभा में प्रथम वरीयता के वोट दिलवाकर विजय बनाती है तो उसका लाभ आगे होने वाले 24 विधानसभा सीटो के उपचुनाव में मिल सकता है। फूलसिंह बरैया दलित नेता है जो चम्बल संभाग से आते हैं। ऐसे में उनके राज्यसभा में जाने से दलित वोटों का कांग्रेस की तरफ रुझान हो सकता है।

दिग्विजय सिंह तो वैसे भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुंचा चुके हैं। गोवा कांग्रेस के प्रभारी रहते कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी होने के उपरांत भी वहां सरकार बनाने से चूक गए थे। मध्यप्रदेश में भी दिग्विजय सिंह के कारण ही तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा करने के कारण ही कमलनाथ को मुख्यमंत्री पद से हाथ धोना पड़ा था। दिग्विजय सिंह से कांग्रेस को अब नुकसान अधिक है फायदा कम है। समय रहते कांग्रेस में दिग्विजय सिंह को साइडलाइन कर मध्यप्रदेश में कांग्रेस को कमजोर होने से बचा लेना चाहिये। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस ने वरिष्ठ वकील केटीएस तुलसी को राज्यसभा में भेजा है। इससे पूर्व 2014 में कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया था। छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है। 15 साल के लंबे समय के बाद वहां कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में आई है। ऐसे में वहां कांग्रेस को बाहरी की बजाए स्थानीय लोगों को ज्यादा महत्व देना चाहिए था। हालांकि केटीएस तुलसी बड़े वकील है तथा कांग्रेस के कई बड़े नेता बहुत से मामलों में कोर्ट में फंसे हुए हैं। इसलिए उन्हें बड़े वकीलों की जरूरत है। मगर वोट देकर प्रदेश में सत्तारूढ़ करवाने वाली जनता को भी महत्व दिया जाना जरूरी होना चाहिए।

गुजरात में कांग्रेस ने नेतृत्व के नजदीकी शक्ति सिंह गोहिल व भरत सिंह सोलंकी को मैदान में उतारा है। पहले वहां दिल्ली के जुगाडू नेता राजीव शुक्ला को टिकट देने की बात चली थी तो विधायकों ने विरोध कर दिया तब भरत सिंह को टिकट दी गई। वहां जब राज्यसभा उम्मीदवार के फार्म भरे गए थे तब कांग्रेस स्थिति कांग्रेस के पक्ष में लग रही थी। मगर इस दौरान कांग्रेस के 8 विधायकों द्वारा त्यागपत्र दे देने के कारण अब वहां कांग्रेस के एक प्रत्याशी के ही जीतने की संभावनाएं बन रही है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व वहां प्रथम वरीयता के वोट किस उम्मीदवार को दिलाता है उस पर ही हार जीत का फैसला होगा। वैसे गुजरात कांग्रेस के 65 विधायकों में से बहुमत भरत सिंह सोलंकी के साथ लग रहा है।

राजस्थान में भी राज्यसभा चुनाव को लेकर विधायको की बाड़े बंदी की गयी है। यहां कांग्रेस से राहुल गांधी के चहेते संगठन महासचिव एम वेणुगोपाल एवं नीरज डांगी को प्रत्याशी बनाया गया है। एम वेणुगोपाल जहां कांग्रेस आलाकमान की पसंद के प्रत्याशी है व पार्टी के सबसे पावरफुल महासचिव है। वही नीरज डांगी अशोक गहलोत की पसंद के प्रत्याशी है। कई बार विधानसभा चुनाव हारने के बाद भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनको राज्यसभा टिकट दिलवाई है। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के गुट बने हुए हैं। जिनकी गुटबाजी अक्सर खुलकर सामने आती रहती है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा द्वारा दो प्रत्याशी उतारे जाने के बाद कांग्रेसी नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है। इसी के चलते सुरक्षा की दृष्टि से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस समर्थक सभी विधायकों की एक बड़े सात सितारा होटल में बाड़ेबंदी कर रखी है। जहां खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद रहकर उन को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी द्वारा कोरोना संकट के समय भी अपने विधायकों को एक भव्य होटल में रखना व उनके आमोद प्रमोद के फोटो सोशल मीडिया में वायरल होने से प्रदेश की जनता में उनके प्रति गलत धारणा बन रही है। लोगों का मानना है कि एक तरफ तो राजस्थान में कोरोना का संक्रमण ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। दूसरी तरफ सत्तारूढ़ दल के सभी विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री होटल में बंद रह कर आमोद प्रमोद, मनोरंजन कर रहे हैं जो संकट के समय आमजन को धोखा देने के समान है। कांग्रेस आलाकमान को अपने मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व अन्य सभी बड़े पदाधिकारियों में से ऐसे लोगों की छुट्टी कर देनी चाहिए जिनकी आम जन में अच्छी छवि नहीं है। ऐसे पार्टी पदाधिकारी जो मेहनत करने में सक्षम नहीं हो व जिनके बेतुके बोल से पार्टी को नुकसान पहुंच रहा हो व जिनका मतदाताओं पर असर न रहा हो ऐसे नेताओं से पार्टी को किनारा कर लेना चाहिए। इनके स्थान पर नये युवा नेताओं को तरहीज देनी चाहिए।

रमेश सर्राफ झुंझुनू,
राजस्थान
www.womenexpress.in

जिनके कंधे पर सर रखकर

मेरे सपनों को सच करने में ,
जाने कितनी इच्छायें मारी है।
इक मेरी पहचान बनाने हित,
कितनी जीती बाजी हारी हैं।।

बने मुसीबत में सहारा,हर
मंजर आँखों में ठहरा है।
जिनके कंधे पर सर रखकर,
मेरा बचपन गुजरा है।।

मन्दिर मस्जिद भले न जाओ,
मात पिता का दिल ना तोड़ो।
जिसने सींचा है खून
से अपने,
अब उनको वृद्धाश्रम
ना छोड़ो।।

पिता वृक्ष सम होते है,जिनसे
मेरा परचम लहरा है।
जिनके कंधे पर सर रखकर,
मेरा बचपन गुजरा है।।

स्वाभिमान, अभिमान,
संस्कृति, संस्कार का पहरा है।
जिनके कंधे पर सर रखकर,
मेरा बचपन गुजरा है।।

पगपग पर हैं बने हौसला,
जब भी ये कदम थमे होंगे।
मै पतंग कच्चे कागज की,
और पिताजी डोर बने होंगे।।

आस, और विस्वास का
बंधन, सर पे मेरे गहरा है।
जिनके कंधे पर सर रखकर,
मेरा बचपन गुजरा है।।

अंगुली थाम के चलना सीखा,
जब भी कदमों ने ली अंगड़ाई।
मुझको नभ की सैर कराकर,
ना जाने कितनी ठोकर खाई।।

हासिल हर शोहरत पर मेरे ,
पापा जी का सहरा है।
जिनके कंधे पर सर रखकर,
मेरा बचपन गुजरा है।।

करन त्रिपाठी
हरदोई, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

चीन की विनाश काले विपरीत बुद्धि

खुद को ड्रैगन का वंशज कहने वाला चीन आज अपनी नीच हरकतें छिपाने के लिए बंदर घुड़की दे रहा है। बुद्धिमान होना अलग बात है, पर जब कोई व्यक्ति या राष्ट्र अपनी ताकतों का गलत इस्तेमाल करने लगे तो कहीं ना कहीं वो विनाश की ओर अग्रसर होने लगता है।

बुद्धिमान तो रावण भी था पर उसने घमंड को अपना गहना बना रखा था। लंका में सभी ने रावण को बहुत समझाया पर रावण का विनाश नजदीक था और उसका घमंड उसके बुद्धि को निरन्तर विनाश की दिशा में ले जा रहा था। उसके कर्मों का लेखा जोखा ऐसा रहा कि उसका सर्वनाश हुआ। वहीं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी ने कभी आवेश में आकर कोई निर्णय नहीं लिया।

जिस प्रकार से अपने विनाश के निकट आतेआते रावण की बौखलाहट बढ़ती ही जा रही थी। उसी प्रकार से चीन भी आज लगातार बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। आज पूरा विश्व चीन के नीचता भरे कर्मों को जान चुका है। और वहीं भारत अपनी साख पूरे विश्व में बना चुका है। चीन को आज अपने दुखों से इतना दुख नहीं है जितना कि उसे भारत की प्रगति और तरक्की से है।

चीन की बौखलाहट तब और बढ़ जाती है जब भारत को विश्व स्वास्थ्य महासभा के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जाता है। चीन जानता है अब ये पुराना भारत नहीं रहा जो चीन जैसे घटिया देश की बंदर घुड़की से डर जायेगा।

चीन को तो उम्मीद भी ना होगी कि उसकी बंदर घुड़की का जवाब, भारत एलएसी पर निर्माण कार्य की गति को बड़ा कर देगा। चीन जानता है कि संयम, धैर्य, कुशल नेतृत्व एवं बेहतर प्रबंधन वाले भारत देश से सामना उसके बस की बात नहीं।

आज प्रत्येक भारतीय के मन में चीन की नीचता के खिलाफ गुस्सा है। देश का प्रत्येक नागरिक चीनी सामान के बहिष्कार में उतर आया है। सरकार अपने कार्य क्षेत्र में चीनी कंपनियों के टेंडर रद्द कर रही हैं। तो ऐसे विपरीत समय में तो चीन को नम्रता का रुख अपनाना चाहिये, पर कहते हैं ना कि विनाश काले विपरीत वुद्धि।

साथ ही साथ चीन को सोचना चाहिए कि आज विकसित देश और वैश्विक महाशक्तियां भारत के साथ खड़ी है।कंपनियां अपना व्यापार चीन से उखाड़ रही हैं। पर चीन आज भी अपने आपको घमंड रूपी स्वघोषित आभूषण से सवांरने में लगा है। साथ ही साथ आस्तीन के सांप की तरह अपनी कथनी और करनी में भी फर्क दिखा रहा है।

जैसे रावण ने अपने गलत मंशा को पूरा करने के लिए साधु भिक्षु का रूप रख लिया था। ऐसे ही समयसमय पर चीन भी भारत सरकार से बात करने की बात कहकर शांति व्यवस्था कायम रखने को कहता है परंतु खुद को ड्रेगन कहने वाला नाचीज सा चीन नहीं जानता कि भारत देश बौद्धिक शक्तियों का देश है, भारत देश मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का देश है, भारत देश निर्मल जल की कलकल करती हुई मां गंगा का देश है एवं भारत देश संकल्प से सिद्धि का देश है। विनाश काले विपरीत बुद्धि के उदाहरण को उजागर करता हुआ चीन भारत में ही नहीं अपितु विश्वभर में अपना आर्थिक बहिष्कार करवा रहा है।

इस तरह से ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अपने घमंड और अनीतियों से विश्व भर में कोरोनावायरस फैलाकर गंदी पहचान बनाने वाले चीन के आर्थिक विनाश का समय निकट है। उसकी बुद्धि भ्रष्ट होती जा रही है और वो लगातार उन्हीं कार्यों को करने में लगा पड़ा है, जिससे वो खुद अपने विनाश के नजदीक आ रहा है। और वहीं भारतीय सरकार और प्रत्येक भारतीय नागरिक अपनी कूटनीति और मर्यादित व्यक्तित्व से चीन की आर्थिक कमर तोड़, विश्व में एक अलग पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

कुलदीप बरतरिया
डायरेक्टर, श्रीजी एकेडमी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

कोरोना से मुक्ति दिलाएगा भारतीय योग

वर्तमान में कोरोना संकट वैश्विक महामारी का रूप लेकर हम सभी को भयाक्रांत कर रहा है। यह सर्वविदित है कि कोई भी संक्रामक विषाणु उस शरीर को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं, जो शारीरिक व्याधियों से ग्रसित होते हैं। यही व्याधियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को हानि पहुंचाती हैं। हालांकि सनातन काल से यह सर्वसिद्ध है कि व्यवस्थित योग क्रिया के माध्यम से शरीर को पुष्ट किया जा सकता है। इसमें आहार भी बहुत हद तक इस प्रक्रिया में सहायक होता है। हम योग और उचित आहार के माध्यम से भी कोरोना पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। भारत के बारे में विश्व के अनेक देश यह स्वीकार करने लगे हैं कि भारत के व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी है। इसके पीछे का एक मात्र कारण योग और भारतीय खानपान ही है।

वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षित नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक वैश्विक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत बनाने का संदेश दिया है। लेकिन योग की महत्ता को कम आंकने वाले लोगों के बारे में यही कहना तर्कसंगत होगा कि यह संकुचित मानसिकता का परिचायक है। पिछले तीन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत स्वस्थता से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भले ही संकुचित मानसिकता वाले लोगों ने

विरोध किया हो, लेकिन इसके बावजूद भी योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है और संकुचित मानसिकता वालों के मुंह पर करारा प्रहार किया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। पिछले दो योग दिवस की सफलता यह प्रमाणित करने के लिए काफी है कि अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है।

हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा है और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। हम यह भी जानते हैं कि वर्तमान में हमारी जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन आया है, जो मानसिक अशांति का कारण बन रहा है। इसके चलते व्यक्ति अवसाद के घेरे में आ रहा है। कोरोना के संक्रमण को भी जीवनशैली में आए बदलाव को ही प्रदर्शित कर रहा है। कुछ भी खाना भोजन का पर्याय नहीं माना जा सकता। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने के लिए सात्विक आहार प्राथमिक है। भारतीय भोजन एक प्रकार से योग का ही एक हिस्सा है। जिसे आज विश्व स्वीकार कर रहा है।

वर्तमान में कोरोना के दौर के चलते योग के प्रति कई लोगों का दृष्टिकोण बदला है। योग से प्रतिदिन लाखों लोग निरंतर जुड़ रहे हैं। इसे वैश्विक समर्थन भी मिल रहा है। गत योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं।

इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। कोरोना की लड़ाई भारत जिस तरीके से लड़ रहा है, वह शक्ति संपन्न देशों को अचंभित कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं।

भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो कोई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानसिकता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है।

डॉ. वंदना सेन
www.womenexpress.in

योग का महत्व

अमूल्य यह उपहार है ,
धर्म,आस्था और परम्परा का भरा ,
इसमें उत्तम विचार है
योग से अवसादों का होता निदान,
करता मनुष्य को दीर्घ जीवन प्रदान
योग स्वास्थ के लिए है लाभकारी ,
होता सबके लिए यह हितकारी
भारतीय जीवन से इसका
गहरा जुड़ाव है ,
जो करे योग नियमित ,
उसके मन में न रहता कोई तनाव है ,
यही तो स्वस्थ जीवन का आधार है ,
यही तो स्वस्थ जीवन का आधार है

आओ मिलकर जाने योग का महत्व,
अब बदलो अपनी जीवनशैली ,
यदि रहना है उम्र भर निरोगी ,
तो बन जाओ कुछ समय का योगी
मानसिक तनाव को दूर भगाओ ,
सब रोगों से मुक्ति तुम पाओ ,
इसका महत्व सबको जरुर बताओ
जिंदगी को जीने का पाठ सिखाओ
भारत की प्राचीन परंपरा का

सोनी गुप्ता
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

मरने के बाद ही बदलाव?

देखकर पछतावा करता है,,
आज हर तीसरा व्यक्ति
खुदकुशी करता है।
सुखसुविधाओं के लिये
भागदौड़ करता है,,
अपने परिजनों की आँखों मे
आँसू भरता है।
क्या जिंदगी इसी का ही नाम है?
मरने के बाद ही क्यो सड़को
पे जाम है।
हर रिश्तो की कद्र इंसा क्यो
नही करता है,,
बड़े ओहदेदार ही क्यो छोटो
का शोषण करता है।
क्यूँ रसूखदारों को ही खुशी
मनाने का हक मिलता है,,
संघर्ष करने वालो को फाँसी
का फंदा ही मिलता है।

छोटे लेखक या कलाकारों को
स्थान क्यो नहीं मिलता है,,
बस उनकी लाशों पे तो भीड़
का हुजूम मिलता है।
बदलाव अक्सर मरने के बाद
ही क्यो आता है,,
जीवित इंसान किसी को क्यो
नजर नहीं आता है।
हर कोई किसी को सीढ़ी क्यो
बनाता है,,
बुलंदियों के लिये दुसरो की
लाश पर चलता है।
ईश्वर भी इंसा की सोच

अंजू जांगिड़ राजस्थान
पाली (सोजतरोड)।

सिर पर खतरा मँडरा रहा है शून्य मन से ड्योढ़ी पर शाहीन सोच रही है।इस तरह कब तक खौफ़नाक माहौल में जीना पड़ेगा मालूम नहीं। बाहर निकले तो सभी की आँखें उन्हें मुजरिम सी देखती हैं।

जुबेर को भी बाहर जाने से बहुत रोकती थी। मर मर्द कहाँ औरत की सुनते। आज एक साल बीत गया,वह सोचती है क्या मनुष्य होना काफ़ी नहीं हता इस जहाँ में? कितना मनहूसियत भरा दिन था दिनदहाड़े घसीटघसीट

हादसा... (कहानी)

भाग- 1

कर जुबैर को बीच सड़क लात, जूते, बेल्ट से पीट पीट मार दिया गया। वह कितना तड़पा मुझे छोड़ दो बेगुनाह हूँ मैं, मुझे मत मारो छोड़ दो, छोड़ दो। मुँह से लार की भाँति खून बह रहा था। पूरे शरीर पर नील निशान पड़े थे। तेज़ चाकू घोंप किसी एक ने पेट के बीचोंबीच से रक्तधारा बहा दी। वो चिल्लाता रहा गला फाड़ अपनी जान बक्श देने की, जान सलामती की भीख मँगता रहा। जब उसकी लाश देखी तो शाहीन बेसुध हो गिर पड़ी, उसके मुँह पर चंद पानी के छींटे डाल उसे सुधि में लाया गया। शाहीन गला फाड़ फाड़ रो रही थी। मुझे भी साथ ले चलो, नहीं जी सकती जुबैर मैं। अल्लाह मुझे मौत दे दे। छाती पीट पीट रो रो शाहीन जुबैर की मौत के मातम में कई बार बेसुध हुई, निकट बैठी जुबैर की अम्मीजान , खाला सभी उसकी ढांढस बंधा रही थी। पीठ पर हाथ फेरे अम्मीजान ने कहामुझे तू मेरे जुबैर से भी प्यारी हैं मेरी बच्ची चुप हो जा। जवान बेटा खोया हैं हमने भी। एक दुर्बल आवाज़ और कान में पड़ी बीवी भी अम्मा उनकी, क्या इनका कलेजा नहीं फट रहा? पेट फाड़ पैदा किया बीबी इसने भी।अब उम्र काटनी तो पड़ेगी ना। शाहीन नजरें झुका आँसू बहाती रखी बस सुबक लेती चुप हो जाती। एकांत में रो लेती।

डॉ.राजकुमारी
हिंदी प्रवक्ता,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
www.womenexpress.in

शिकायत

किस किससे करूँ शिकायत?
यहाँ मुहब्बत जितनी अपनों से
शिकायतें भी बहुत अपनों से
कोई यहां सबको खुश कहाँ
कर पाते हैं?
कभी बहुत खोकर कुछ पाते हैं
तो कुछ खोकर बहुत पाते हैं।

किससे आखिर किससे
करूँ शिकायत?
मां से, या पिता से जो अब
नहीं रहें
या फिर भगवान से जो हैं
पर, वो होकर भी करें तो क्या करें?
किसकी सुने, और किसकी
भला करे
या कि समाज से, जिसे अपनी
करनी है
केवल अपनी ही सुननी और
आहें अपनी भरनी
भिन्न मतों के लोग जहाँ
नियम बहुत ही अजीब यहाँ।

या शिकायत खुदकी खुदसे करूँ
किसे कहुँ बढ़िया और किसे बेकार?
जो मेरे लिए सही है अन्यों के
लिए गलत
यहाँ हर एक को हर एक
से है शिकायत।

शिकायतएबयां हम यहां
कौन किससे करें?
किसी को कुछ अच्छा लगता है
किसी को कुछ
दिल इत्तला करता है मगर
शिकायतें हैं हमारे किस बात पर?
और नहीं ये भला हमारे
किस बात पर ?
दिल पता करे तो कैसे करे?

जो भाता है मुझको, किसी को
गमएबयां करता है
जँचता ना जो मुझको, उससे
कोई मुस्काता है।
शिकायत यहां हर एक को हर
एक से हर बात पर होती है
तो क्या कोई किसी के वास्ते
जीना ही छोड़ दे।

पूजा कुमारी साव
पूर्व वर्धमान, पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

जिंदगी जीने का तरीका

जिंदगी का अर्थ क्या है ,
जीने का तरीका है
एक पल में मज़ा है तो
दूसरे में सजा है ,
मजा माने तो जाने
हकीकत में मजा है
गर मान ली सजा तो
सबसे बड़ी सजा है
जीना तो है फिर हँस के
जीओ या रोके ,
मिलते नसीबों से है चंचल
यूं जीने के मौके
खो दिया गर इसको तो
पछताओगे खोके
हार हो जाए तो निराश
होना है लाजमी,
पर सीमा तो नहीं ये, आगे और
भी है जमीं
हार जीत जिन्दगी के हँसी
सितम ही तो है ,
अपनी हिम्मत के आगे हर
सितम कम ही तो है
हार कर भी सफलता की
कोशिश करना जिसने सीखा है ,
सच कहूं यही सच्चा जीने
का तरीका है
यही सच्चा जीने का तरीका है

प्रियंका जैन चंचल
स्नात्तकोत्तर शिक्षिका हिन्दी
केन्द्रीय विद्यालय, उज्जैन।
www.womenexpress.in

दलदल इंसान को बुरी तरह फँसा देती है जिससे निकल पाना शायद बामुश्किल सा हो जाता है। चाहें ये आम इंसान की ज़िन्दगी की बात हो या फिर फिल्मी सितारों की दुनिया का एक कड़वा सच जिसे शायद नकारा नहीं जा सकता।

असल मायने में ज़िन्दगी जैसे हम फिल्मों में देखते हैं उससे बिल्कुल विपरीत होती है। असल ज़िन्दगी का सच जैसे बाहर से हम को दिखाई देता है वास्तव में वैसा बिल्कुल नहीं होता।

ज़िन्दगी का सच जिसके साथ घटना बीतती है उसी को आईने की तरह सच्चाई का आभास होता है और कभीकभी ये सच्चाई उसकी ज़िन्दगी में अनगिनत दुखों के पहाड़ ला देती है और इंसान इन दुखों का वहन करते करते कभी कभी इतना थक सा जाता है कि ज़िन्दगी से वो और ज़िन्दगी उससे जैसे पूरी तरह निराश हो। ऐसी स्थिति में ही इंसान शायद गलत कदम उठा लेता है ऐसा नहीं है कि वो इंसान सकारात्मक नहीं सोचता होगा ! बिल्कुल सकारात्मक सोच रखता होगा। बल्कि वो एक आम इंसान की तरह आम लोगों की क़दर करना भी जानता था। पर ये फिल्मी दुनिया बड़ी खराब है कभी कभी एक आम इंसान जो मध्यम वर्गीय परिवार से हो और कड़ी मेहनत करके फिल्मी दुनिया में आया हो और एक दम से ही एक के बाद एक हिट फिल्में दे रहा हूँ।

उससे बाकी कुछ चुनिंदा सितारे तो जलेंगे ही यही हुआ एक आम शख्स के साथ जिसकी ज़िन्दगी में कोई कसर नहीं छोड़ी उसे मानसिक प्रताड़ित होने पर मजबूर कर दिया गया सिर्फ पैसा दौलत शौहरत यही सबकुछ पाकर इंसान खुश हो अपने जीवन में या उसकी ज़िन्दगी चलती रही हँसी खुशी ऐसा नहीं होता असल में ज़िन्दगी की असली खुशी उसके संतोषजनक काम काज में होती हैअगर इंसान का करियर चौपट हो रहा होता है ना तो उसका दिल रोता है और ख़ासकर तब जब इंसान बेहद होशियार और बेहतर आईक्यू लेवल वाला हो उसी के साथ जानबूझ कर उसे धक्का दिया जा रहा हो ताकि उसके करियर में पतन आ सके।

तब इंसान वही करता है जो उसको नहीं करना चाहिए ज़िन्दगी के मायने बाहर से जैसे दिखते हैं वास्तव में वो वैसे नहीं होते और जैसे असल ज़िन्दगी में होते हैं उसकी खबर कानोंखबर नहीं लगती। यही ज़िन्दगी का बेबाक सच है ।

अतुल पाठक
जनपद हाथरस (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

जिन्दगी की बेबाक सच्चाई

राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर एक जिम्मेदार पार्टी की खुद की सरकार की संधि याद न होना गैर जिम्मेदाराना है।यह कतई अपेक्षा नहीं की जा सकती।देश का हर नागरिक इस भ्रामक पूर्ण वक्तव्य का विरोध आक्रोश पूर्वक करता है ।

कांग्रेस पार्टी द्वारा पूछा गया कि सीमा पर निगरानी बिना हथियार क्यों की जाती है वेहद दुखद और हास्यास्पद है । क्योंकि साल 1993 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने चीन का दौरा किया और भारतचीन 1993 शांति समझौता में दोनों देशो ने सीमा शांति के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस संधि में यह तय हुआ कि दोनों देशों की सेनाएं सीमा पर गश्त के दौरान हथियार का इस्तेमाल नहीं करेंगी।इस खास सहमति के अनुरूप दोनो देशों ने तय किया था कि मतभेद कितने ही हों, लेकिन सीमा पर इसका असर नहीं होना चाहिए। सहमति बनी कि सीमा पर तैनात सैनिकों के पास हथियार नहीं होंगे। रैंक के अनुसार जिन अधिकारियों के पास बंदूक होंगी भी तो उनका मुंह जमीन की तरफ होगा। इसके लिए जवानों को खास तरह की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि किसी भी सूरत में हथियार का इस्तेमाल न हो।दोनों देशों के बीच यह सहमति बनी थी कि जब संबंध अच्छे होंगे, तब सीमा के मसले को सुलझाया जाएगा। देश का एक आम नागरिक होने के नाते जब मैं इतनी जानकारियाँ रख सकता हूँ तो आदरणीय राहुल गांधी क्यो नही? यह राजनीतिक विषय नहीं जो कुछ बोल कर निकल लिए यह राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभूता का विषय है आपको इस कृतृत्व पर देश से माफी मांगनी चाहिए और भविष्य में ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर बयान देने से बचना चाहिए।आखिर देश का मजाक आप कैसे बना सकते?

आशुतोष
पटना, बिहार ।
www.womenexpress.in

आक्रोश आया आपको सुनकर

वर्तमान समय में गांवों में कोटि का कहर अर्थात कोरोना, टि-टिड्डी

वर्तमान समय में एक सा शब्द जो हमारे आसपास कहर मचा रहा है द्य वो शब्द है। कोटि अर्थात को कोरोना और टि टिड्डी। वर्तमान समय में कोटि आमजन और किसानों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है।

कोरोना कोटि में को का अर्थ कोरोना से है। वर्तमान में वैश्विक महामारी कोरोना ने पूरी दुनिया को प्रभावित कर दिया है जिस वुहान शहर से लाखों किलोमीटर दूर गांव सुरक्षित थे। वहां आज कोरोना धीरेधीरे अपने पैर जमा रहा है। जो गांव वुहान शहर और कोरोना महामारी के बारे जानते नहीं थे आज उन गांवों को कोरोना ने बंधक बना लिया है। वैश्विक महामारी कोरोना अब धीरे धीरे शहरों से गांव की ओर पलायन हो रही है। जो एक चिंता का विषय है गांवों की पृष्ठभूमि शहरों से भिन्न है परंतु कोरोना ने गांवों को भी शहर बन दिया है। वर्तमान समय में एक नजर डाली जाए तो कोरोना ने आमआदमी की कमर तोड़ दी है। आम आदमी प्रतिदिन दैनिक जीवन के लिए मजदूरी करता था आज वो मजदूरी लगभग तीन महीने से ठप्प है गांवों में आम आदमी की आर्थिक स्थिति अब धीरे धीरे कमजोर हो रही है क्योंकि कोरोना की वजह से लोग घरों में बंद है जिन गांवों का वातावरण स्वच्छ और ऊर्जावान होता था आज कोरोना ने वो वातावरण धूमिल सा कर दिया है गांव की युवा पीढ़ी जो उज्वल भविष्य के लिए शहरों में गई थी, शहरों में उनका अच्छा सा रोज़गार चल रहा है परतु कोरोना की दस्तक से युवा पीढ़ी शहरों से पुनः गांव की ओर लौट आई है जिससे युवा पीढ़ी का शहरों में लाखों रुपये का रोजगार ठप्प हो गया है जिससे गांवों की स्थिति और भी कमजोर हो गई है कहने का तात्पर्य यह है कि कोरोना ने गांवों को घरों तक सीमित कर दिया है जिन गांवों ने कभी कर्फ्यू नहीं देखा आज कोरोना की वजह से गाँव कर्फ्यू में तब्दील हो गए हैं जिससे गांवों के लोगों का दैनिक रोजगार बंद हो गया है जिससे उनका घर चलाना मुश्किल हो गया है।

टिड्डी कोटि में टि का अर्थ टिड्डी से है। टिड्डी का नाम सुनते ही किसानों

के मन में डरा छा जाता है। वर्तमान समय में वैसे तो वैश्विक महामारी कोरोना के किसानों की कमर तोड़ है क्योंकि देखा जाए तो किसानों ने कोरोना से पहले फसल तैयार कर अपने घर ले आए थे। जैसे ही बेचने कुछ दिनों में बेचने वाले थे तो कोरोना महामारी ने दस्तक दे दी थी। जिससे उनकी फसल कई महीने घरों में पड़ी है कोरोना की वजह से अपनी मेहनत से तैयार की हुई फसल को बेच नहीं पाए हैं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान अधिक हुआ है वर्तमान में कोरोना ने तैयार हुई फसलों के दाम घटा दिए हैं जो किसानों के लिए चिंता का विषय है हम जानते हैं कि जो अन्न हमारी थाली में पहुंचता है उसके लिए किसान भाई कितनी मेहनत करते हैं किसान न गर्मी, सर्दी, बारिश सभी ऋतुओं में खेतों में डटे रहते हैं जिनकी कड़ी मेहनत से हमारे घर तक अन्न, फल और सब्जियां पहुंचती है। दूसरी तरफ किसान भाई जैसे ही नई फसल को तैयार कर रहे थे। और फसल लगभग तैयार भी हो गई थी तभी एकाएक टिड्डीयों के बड़े बड़े दलों का खेतों में खड़ी फसलों पर आक्रमण शुरू हो जाता है।

किसान भाई टिड्डी दलों को घरेलु सामग्री उपयोग में लेकर बड़ी मुश्किल से अपने अपने खेतों से निकाल पाते है तब तक टिड्डी दल खेतों में खड़ी फसल को तबाह कर देते हैं जिससे किसानों को अपनी आखों के सामने खेतों में खड़ी फसलों की सी दुर्दशा देखकर निराशा और मन बेहद दुःखी हो जाता है कही महीने से तैयार हुई फसलों को एक सेकंड में तबाह होती देख हृदय कांप उठता है। वर्तमान समय में खेतों में खड़ी फसलों पर टिड्डी दलों का आक्रमण लगातार बढ़ रहा है। जो किसानों के लिए चिंता का विषय है दोनों स्थितियों से साफ नजर आ रहा है कि वर्तमान समय में गांवों में कोटि का कहर अधिक देखा जाए रहा है कोटि के कहर से आमजन और किसानों की हालत गंभीर बनी हुई है।

कुमार जितेन्द्र, जीत
बाड़मेर, राजस्थान
www.womenexpress.in

राजपुरोहित

आओं मिलकर हम जाने,
राजपुरोहित समाज पहचाने।

राज कुल के गुरु हम होते,
धर्म,ज्ञान परिपूर्ण होते।।
सत्य पथ पर चलें निरंतर,
कथनीकरनी में न कभी अंतर।
पुरस्कार मिली जागीरें हजार,
तभी कहलाते हम जागीरदार।।
राजपुरोहित कुल अवतरण हुआ,
ब्रह्मावतार श्री खेतेश्वर का,
समाज को एक डोर बाँध,
मंदिर बनाया श्री ब्रह्मा का।।
आसोतरा वह धाम जहाँ,
गुरुवर हुए अंतर्ध्यान,
बना मंदिर भव्य वहाँ,
मिलते संस्कार,सदा ज्ञान।।
है ब्रह्मधाम गादीपति,
सदुरु श्री तुलछारामजी,
समाज को शिक्षित करते,
शिष्य उनके श्री ध्यानारामजी।।
संस्कार शिविर है ज्ञान का सागर,
आओं बंधु भरलो तुम गागर।
समाज को नई दिशा देकर,
आगे बढ़े राजपुरोहित निरंतर।।
राजपुरोहित समाज का मान बढ़ाने,
लिखा देवेन्द्र ने ध्यान से,
अब हर समाज बंधु तक यह,
पहुँचाना है निज ज्ञान से।।

देवेन्द्रसिंह राजपुरोहित
भागली पुरोहितान
जालोर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

मजा यह कि मेरी खता तक नहीं

जिसे मैंने चाहा इबादत की हद
तक, उसे इसकी भाषा
पता तक नहीं... !
सज़ा पर सज़ा मैं भुगतता रहा,
मज़ा यह कि मेरी खता
तक नहीं... !!
जिसे शीत की ठिठुरनो में

तपाया, तपिश की झुलसती किरण
से बचाया,
चमकती बिजुलियों में वाणों
की वर्षा से जिसके लिए
आशियाना बनाया,
जिसे आशियानों की चादर
ओढ़ा दी, वो आँगन मेरा
जानता तक नही है.... !
सज़ा पर सज़ा मैं भुगतता रहा,
मज़ा यह कि मेरी खता
तक नहीं... !!
पूछते प्रश्न है हाशिये आजतक,
कब लिखोगे अधूरी दास्तान

ए अमित,
क्या करें शब्द तो जा भँवर में
फँसे, हम किनारों पे बैठे
व्यथा से व्यथित,
जिसे मैंने सांसों की पुस्तक
थमा दी, वो पढ़ना तो क्या
देखता तक नहीं है.... !
सज़ा पर सज़ा मैं भुगतता रहा,
मज़ा यह कि मेरी खता
तक नहीं... !!

अमित पाठक
बहराइच।
www.womenexpress.in

छेत्री को उम्मीद भारत को एशिया में शीर्ष दस में पहुंचा देंगे युवा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि भारत को एशियाई देशों में शीर्ष दस में जगह बनाने को लक्ष्य लेकर चलना चाहिए और इसे वास्तविकता में बदलने के लिये युवा खिलाड़ियों को आगे आना होगा। छेत्री ने कहा कि अगर खिलाड़ियों का एक समूह अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह जूनियर खिलाड़ियों के लिये उदाहरण पेश कर सकते हैं जो इसके बाद अपने सीनियर से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे और इस पूरी प्रक्रिया से टीम को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने एआईएफएफ टीवी से लाइव चैट में कहा, ''वर्तमान भारतीय फुटबाल में आप राष्ट्रीय टीम को एशिया में शीर्ष दस में देखना चाहते हो। इसके लिये यह जरूरी है कि युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें और सीनियर टीम में शामिल होने पर अच्छे परिणाम दें। ''भारतीय अंडर 16 टीम को एएफसी अंडर16 चैंपियनशिप में कड़ा ड्रा सौंपा गया है। बिबियानो फर्नांडिस की कोचिंग वाली टीम ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से

भिड़ेगी। छेत्री ने कहा, ''मैं अंडर16 टीम और इंडियन एरोज का बड़ा प्रशंसक हूं विशेषकर बिबियानो की अगुवाई में अंडर16 टीम एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। ''भारतीय कप्तान ने कहा, ''उन्होंने वास्तव में अच्छी फुटबॉल खेली है और यह हर कदम पर सुधार करते हुए आगे बढ़ने से जुड़ा है। ये खिलाड़ी पिछली टीम (2018 एएफसी अंडर 16 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीम) से बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।''उन्होंने कहा, ''इस तरह से जब यह टीम बेहतर परिणाम हासिल करेगी तो फिर अभी अंडर14 में खेल रहे खिलाड़ी उससे भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिये तैयारी करेंगे क्योंकि वे उनसे बेहतर परिणाम हासिल करना चाहेंगे। आप लगातार अपने लिये बड़े लक्ष्य तय करना चाहते हो।'' भारत की तरफ से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले छेत्री ने फीफा अंडर17 विश्व कप 2017 में खेलने वाले खिलाड़ियों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''आपको उन खिलाड़ियों जैसे अमरजीत सिंह, सुरेश (वांगजाम) और नरेंदर (गहलौत) का आत्मविश्वास देखना चाहिए।

दर्शकों के उत्साह से मिलती है प्रेरणा: रोहित शर्मा

नई दिल्ली। कोरोना के खतरे को देखते हुए खेल गतिविधियों को दर्शकों के बिना शुरू करने के बीच भारत की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के उपकप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिये दर्शकों का उत्साहवर्धन बहुत जरूरी होता है। रोहित ने स्टार स्पोर्टस के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, ''जब तक आप प्रशंसकों के समर्थन के साक्षी नहीं बन जाते तब तक आपको भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का एहसास नहीं होता। मुझे अभी भी याद है कि जब हमने 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत दर्ज की थी तो हमारा होटल प्रशंसकों से भरा हुआ था और वे सभी जश्न मना रहे थे और नाच रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था क्योंकि मेरे लिये यह अविस्मरणीय पल था। आप हमेशा स्टेडियम में प्रशंसकों को देखते हैं लेकिन उस दिन होटल में उन सभी समर्थकों को देखकर मुझे लगा कि यह प्रशंसकों का जुनून और प्यार है।

सुशांत सिंह राजपूत के फैन्स का फूटा गुस्सा

पटना में सलमान खान के 'बीइंग ह्यूमन स्टोर' पर तोड़फोड़

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पटना/मुंबई। बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद पूरी फिल्म इंडस्ट्री और फैन्स के बीच बवाल मच गया है। फिल्म इंडस्ट्री, राजनीति और फैन्स के बड़े वर्ग का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत को बॉलिवुड में काफी भेदभाव का सामना करना पड़ा। इसी कारण शायद वह डिप्रेशन में आ गए और उन्होंने आत्महत्या जैसा खतरनाक कदम उठा लिया। सुशांत की मौत के मामले पुलिस अभी जांच कर रही है।

इस बीच पिछले दिनों बॉलिवुड के कई बड़े ऐक्टर, डायरेक्टर और प्रड्यूसर पर सुशांत सिंह राजपूत से भेदभाव करने और उन्हें परेशान करने का आरोप लगा है। इन लोगों में

सलमान खान, करण जौहर, आदित्य चोपड़ा, दिनेश विजान जैसे बड़े नाम शामिल हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में इन लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया गया है। इन लोगों का नाम आने के बाद सुशांत के फैन्स काफी नाराज हैं और उन्हें गुस्से में सलमान खान के ब्रैंड बीइंग ह्यूमन के स्टोर में घुसकर तोड़फोड़ की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना पटना की है जहां भारतीय जनता युवा मोर्चा के कुछ लोग बीइंग ह्यूमन के आउटलेट के बाहर इकट्ठे होकर नारेबाजी कर रहे थे। इसके बाद भीड़ में से कुछ लोगों ने दुकान में तोड़फोड़ करते हुए सलमान खान के कुछ पोस्टर्स भी फाड़ दिए। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद ऐसे आरोप लगे हैं कि उन्हें 7 फिल्मों से निकाल दिया गया था और बॉलिवुड का एक बड़ा वर्ग उनके साथ भेदभाव कर रहा था। आरोपों के सामने आने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने सुशांत की मौत की जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच से करने के आदेश दिए। जांच में सुशांत की मौत के पीछे प्रफेशनल राइवलरी की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। अब तक इस मामले में सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती समेत कई लोगों से पूछताछ हो चुकी है।

जब नन्हा था...

जब नन्हा था ना किस्मत थी
ना मन पर बंधन होता था ।
ना स्वार्थ की बू आती थी मुझसे

ना बीज अहम का पनपा था ।
ना बोझ किताबों का था मुझ पर
मैं आँचल में माँ के सोता था ।।
जब नन्हा था ...

ना होड लगी थी जग से मेरी
मैं अपनी धुन में जीता था ।
जीवन अमृत को हर लम्हा
घूँट घूँट मैं पीता था ।।
पिता के काँधे हो सवार तब
मैं जग विचरण कर आता था ।।
जब नन्हा था ...

बन मैं ही राजा मैं ही प्रजा
खुद पर हुक्म चलाता था ।
क्या अपना है कौन पराया
ये भेद मुझे न आता था ।।

घर आँगन ही नीड था मेरा
उसमें मेरा नेक बसेरा था ।।
जब नन्हा था ...

अब भरा स्वार्थ से दिल है मेरा
अहम बीज का वृक्ष बना ।
आज मैं चाहूँ निःश्छल जीवन
मिल ना पाता है क्यों मुझको ।
घोर निराशा घेर रही क्यों ?
भेद समझ ना आता मुझको ।।
तब चन्द खिलौने साथी मेरे
तन माटी से लिपटा था ।
बाहर से बेशक मैला था ,
पर मन मेरा निश्छल रहता था ।।
हाँ .. हाँ ! लड़ता था मैं गुड़िया से
पर दिल में द्वेष न रखता था ।।
जब नन्हा था ...

उन चन्द खिलौनों के बदले में
हाथों में ले षड़यंत्र की डोरी ।
बचपन के सब खेल भूल कर
रिश्तों का मैं नृत्य दिखाता ।
बाहर से अब उजले हैं कपड़े
पर दिल मेरा कपटी होता
अब देख रही गुड़िया को नजरें
पर नजरों में अब दानव रहता ।

अब उन बातों को अर्सा हो गया
जब नजरों में पानी रहता था ।।
जब नन्हा था ना किस्मत थी
ना मन पर बंधन होता था ।।
जब नन्हा था ...

मनोज कुमार सामरिया 'मनु
जयपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस,
संकल्प लें, करें सब
नियमित योग ।
प्रमाणित हो चुका, है
यह वैज्ञानिक,
मिटते इससे तनमन के रोग ।

पाँच मिनट कपाल भाती,
पाँच मिनट अनुलोम विलोम ।
करो भस्त्रिका, उज्जयी भी,
उद्गीत तो है ओम ओम ओम ।

प्राणायाम के साथसाथ ही,
करो तन पसंद आसन ।

इससे विकसित होगा,
तन में मन में अनुशासन ।

पतंजलि ने सिखलाये हैं,
कई सूक्ष्म व्यायाम ।
इनको नित करने से भी ,
नहीं पड़ेगा डाक्टर से काम ।

हज़ारों वर्षों की यह परंपरा,
ऋषि मुनियों से मिला योग ।
प्राणायाम योग का लाभ लें,
इस दुनिया के सारे लोग ।

उषा चैनवाला
काठमांडू (नेपाल) ।
www.womenexpress.in

पापा मेरी जान, पापा मेरी पहचान

पापा आपने अपनी उंगली
पकड़ मुझे चलना सिखाया,
आप हो मेरे लिए जैसे
कड़ी धूप में छाया,
इस दुनिया मैं सही और गलत
क्या है यह समझाया,
मैंने हमेशा अपनी मुश्किलों में
आपको ही है पाया,
आपने अपनी मुश्किलों को
हमेशा मुझसे है छुपाया,
और खुद परेशान होकर भी
आपने मुझे हंसाया,
जिंदगी में आपने हमेशा प्यार
से मेरा साथ निभाया,
मैं गलत भी करूं तो मुझे
सही रास्ता है दिखाया,
बहुत प्यार करते हो आप
हमसे यह जानते हैं हम,
पर पापा आपने अपना प्यार
कभी नहीं जताया,
कुछ तो किया होगा मैंने अच्छा
जो आपको है पाया,
पापा आपने मुझे जीवन जीने
का तरीका है बताया,
जिंदगी में कभी कुछ भी
अपने लिए ना लेकर,
हमारी सभी जरूरतों को
बिना कहे पूरा कराया,
मैं बस इतना ही कहना चाहती हु कि,
आपने मुझे दुनिया की भीड़
में चलना है सिखाया,
इस दुनिया में मुझे सबसे
ज्यादा आपने ही है चाहा,
पापा आपने मुझे मेरे सपनों से मिलाया,
और मुझे मेरी मंजिल तक पहुंचाया,
पापा आप जान हो मेरी
मेरे लिए आप पहचान हो मेरी।।

मुस्कान जैन
अम्बाह मुरैना (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

मौसम में बदलाव

बदलाबदला सा मौसम है
और बदली सी है फिजा।
रिमझिमरिमझिम बूंदें बरसे
लौट गई मतवाली खिज़ां।

बौराई सी है प्यासी अचला
कलरव कर रहा पंछी दल।

कूक रही कोयल मतवाली
बड़ा खुशनुमा हुआ है पल।

इंद्रधनुष नभ पर छाया है
उपवनउपवन पुष्प खिले।
भंवरा गुनगुन करता आया
ढूँढ़ कहाँ उसे मकरंद मिले।

सौंधी सौंधी सी खुशबू है
भरती मन में कितने भाव।
अंगड़ाई ले रही दामिनी
आया मौसम में बदलाव।

विनोद वर्मा, दुर्गेश
तोशाम, जिला भिवानी,
हरियाणा ।
www.womenexpress.in

ओस हो तुम मेरे जीवन की

एक ओस हो तुम मेरे जीवन
की एक अमिट छाप मेरे मन की
एक ओस हो ....जीवन की ,
जो न हटी मेरे दिल से वो

धूल हो मेरे दर्पण की ओस हो तुम
मेरे जीवन की

मनसे जुडी तेरी यादेंअब बस
बेचैनी हो तन मन की, एक ओस
हो तुम, मेरे जीवन की ,

प्रेम तुम्हारा एक छलावा जैसा
,और भूल कोई जैसे लड़कपन की
बस तुम ओस हो मेरे जीवन की ,

महकी खुशबु तेरी बाते ,और
कली कोई जैसे मधुबन की ओस
हो तुम मेरे जीवन की

सीमा तोमर
गाज़ियाबाद ।
www.womenexpress.in

सुरभित मुखरित पर्यावरणीय

मै पतित पावन प्रकृति,
वसुंधरा का वरदान हूं।
धानी रंग की चुनरीया मेरी,
लताओं पुष्पों से सजी धजी हूं।

हिम पर्वत आकाश,
को धारण करती हूं।
नदियों संग कल कल करती,
समुद्र के संग जा मिली हूं।

जो तुम मेरा पथ पहचानो,
हो जाए सुरभित मुखरित पर्यावरण।

असंख्य गुलो की मै पटरानी,
बाग बगीचों संग नेह लड़ाती।
खग मृग कृप संग धमा
चौकड़ी करती,
कोयल संग मधुर संगीत सुनाती।
क्षण भर जो तुमने विश्राम लिया,

जैसे निष्प्राण से मुझको प्राण मिला।
हो गई सुरभित मुखरित पर्यावरण
जो तुम मेरा संवर्धन, संरक्षण करो।
प्रफुल्लित हो जाए वातावरण,
तुम्हें भी निष्प्राण से प्राण मिल जाए।

प्रियंका त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

देशभक्त बनें हम

चीनी हमको आंख दिखाते
उनकी आंख निकालें
शूरवीर हम,नहीं हैं भीरू
हम सचमुच मतवाले
सीमा पर वे कहर ढा रहे
हम सब अब तो जागें
ऐसी मार उन्हें हम मारें
पूंछ दबा वे भागें
कुर्बानी सैनिक देते हैं
उनका वंदन कर लें
शौर्य,समझ ,नवचिंतन को हम
अपने उर में भर लें
तज दें चीनी उत्पादों को
देशभक्त बन जाएं
देशी चीज़ों को अपनायें
चीन को सबक सिखायें
चीनी एप्स त्याग के हम सब
देशी अब बन जायें
भारत मां के गीत सुहाने
सच्चे भाव निभायें ।

डॉ.नीलम खरे
आज़ाद वार्डचौक
मंडला (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

छोड़ो नशा

छोड़ो गुटका,सिगरेट व शराब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

जो न खाता पशु वो
क्यों खाते हो तुम,
जो न पिता पशु वो क्यों?
पीते हो तुम।

थोड़ा अपने से पुछो जबाब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

खुद ही खुद की बिगाड़े तकदीर,
राजा से बनजाता भिकमंगा फकीर।
देखो इतिहास की उठाकर

किताब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

बुद्धि गवांतेहोता ज्ञान का नाश,
होश गवांतेअज्ञान का वास।
कोई माने न रुतबा रुबाब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

जीवन में खुशियों का पेड़ लगाओ,
व्यसन रूपी कांटा को जड़ से भगाओ।
कोरोना वायरस को जड़ से भगाओ।
तब ही आनंद के खिलेंगे
गुलाब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

योगाभ्यास का ध्यान करो नित,
संयम की साधना से प्रसन्न रहे चित।
मिट जाएंगे सब संताप भैया,
पूरे होजाएंगे मन के ख्वाब भैया,
इनसे होती है जिंदगी खराब भैया।

कमला भंसाली जैन
राजविराज, नेपाल ।
www.womenexpress.in

गुजर गए दिन प्यार भरे...

करोना महामारी के दौरान लॉक
डाउन के वे दिन
कभी भूला नहीं पायेंगे,
परिवार साथ मिलकर
धर्म क्रिया, टीवी, एक ही
थाली में स्वादिष्ट नित
नये षटरस भोजन और साथ
में एक सोच,
बस अब जल्दी ही बच्चे
स्कूल जाना शुरू कर देंगे!
लेकिन हक़ीक़त से अब
सामना हो रहा है!

इस महामारी से डर कहो या
समझदारी अब
हमें सचेत जागरूक
होना ही पड़ेगा,
जहां तक संभव हो घर के
बाहर नहीं निकलना है,
ना जाने कहां से, कैसे, कब
दबे पाँव करोना हमें
चपेट में ले ले,
आज हम किसी परिस्थिति में
अकेले नहीं हैं, हम से हमारे अपने
सारे, पास पड़ोसी, गली मोहल्ला
जुडा हुआ है, हम निरोगी स्वस्थ है
तो समझना हम अपनों
से प्यार करते हैं,
एक एक पल, एक एक क़दम
बहुत ही समझदारी से भरना है,
जान है तो जहान है ,
इससे भली मौजमस्ती तो
लॉक डाउन के दौरान थी!

ललीता पी नागोरी
बैंगलुरु ।
www.womenexpress.in

मानव की इच्छाएं

मानव की सब इच्छाएं होती
नहीं पुरी।
कुछ होती है, तो कुछ रह जाती
है अधूरी।
एक पूरी होती है तो दूसरी जाग
जाती है।
दूसरी पूरी होते ही तीसरी की
बारी आती है।

इसी उधेड़बुन में जिंदगी बीत
जाती है। मानव की सब इच्छाएं....
मानव का जीवन मृगतृष्णा के
समान है।
इच्छाओं की पूर्ति जी
का जंजाल है।
मानव का जीवन बड़ा ही
अजीब है।
यह नहीं जानता कि जा रहा
मृत्यु के करीब है। मानव
की सब इच्छाएं....
जीवन में एक घड़ी भी न सुख
है, न आराम है।
सोचसोच के मानव, अति
परेशान हैं।
जो मिला, संतोष नहीं, नहीं
मिला जो, उसपे टिकी आस है।
इसी उधेड़बुन में जिंदगी निराश
है। मानव की सब इच्छाएं....
पहले साईकिल भी नहीं थी, तो
परेशान था।
साईकिल आ गई तो कार का
चाहवान था।
कार भी आ गई तो भी
परेशान है।
दूसरे के पास ज्यादा मेरे
पास कम है।
यही तो मानव को खाए जा रहा
गम है। मानव की सब इच्छाएं...
डॉ. अशोक कहे, राम
नाम ध्याओ।
जीवन में जो मिला उसमे
सुख पाओ।
साथ कुछ जाना नहीं बिल्कुल
न घबराओ।
बेईमानी और लूट खसूट से
धन न कमाओ।
तृष्णा तेरी नहीं भरेगी, कितना
भी तुम जोर लगाओ।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा
(हरियाणा)।
www.womenexpress.in

पढ़-लिख जो गयी मैं

बहुत गलत हो गयी मैं
पढ़लिख जो गयी मैं
सच बोलना सीख गयी
औऱ आवाज उठाना भी
हक मांगना सीख गयी ,
तो बहुत गलत हो गयी मैं,
पढ़ लिख जो गयी मैं..
रास न आया पढ़ना लिखना मेरा,
तो बेअदब बेहया कह दी गयी

बहुत गलत हो गयी मैं,
पढ़ लिख जो गयी मैं..
खुद के लिए लड़ना सीख गयी ,
आंख मिलाकर चलना सीख गयी ,
कदम से कदम मिलाना सीख गयी
खुद के लिए जीना सीख जो गयी मैं
तो बहुत गलत हो गयी मैं,
पढ़ लिख जो गयी मैं
आत्मनिर्भर रहकर जीना सीख गयी,
सम्मान के साथ जीना सीख गयी,
रास ना आया मेरा आत्मनिर्भर बनना
और सम्मान के साथ जीना ,
तो बेपरवाह कह दी गयी मैं,
इसीलिए शायद गलत
बहुत गलत हो गयी मैं,
पढ़ लिख जो गयी मैं....

लक्ष्मी सैनी
अम्बाह, मुरैना, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

चीन को चेतावनी

दिल है हिंदुस्तानी
अब मन में बात है ठानी
चाइनीस वस्तुओं का बहिष्कार
स्वदेशी वस्तुओं का आविष्कार
हर शख्स तक यह बात पहुंचानी...

कोरोनावायरस की बात
कब तक तूने छुपानी
पूरा विश्व जानता है
तूने की है मनमानी...

पीठ पीछे वार करके
तूने क्या है बताया
सब जानते हैं हर बार
तूने यह रास्ता अपनाया....

कसम है हर हिंदुस्तानी की
झंडा धरती मां की सरहद
में फहराएंगे
मेड इन इंडिया वाला सामान
हम घर घर पहुंचाएंगे
देश को हम इस जहरीले
चाइनीस सामान से बचाएंगे
हम एक नया स्वदेशी भारत बनाएंगे

सोनू अवस्थी
पालमपुर, जिलाः कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

नारी तुम हो शक्ति स्वरूपा

किन शब्दों में दूं परिभाषा
हर शब्द है लगता तुमसे छोटा
नारी तुम हो शक्ति स्वरूपा
देवी का अवतार तुम्हीं हो।
सरस्वती सी ज्ञान की गंगा
लक्ष्मी का भंडार तुम्हीं हो।
सीता काली दुर्गा जैसे
करती रूप साकार तुम्हीं हो।
ईश्वर की अनुपम रचना तुम
प्रकृति का श्रृंगार तुम्हीं हो।
त्याग,समर्पण,साहस,शक्ति
प्रेम का दूजा नाम तुम्हीं हो।

श्रद्धा की तुम हो परिभाषा
धैर्य का नील वितान तुम्हीं हो।
स्वाभिमान की हो पराकाष्ठा
संस्कारों की खान तुम्हीं हो।
सुरभित तुमसे है जग सारा
रिश्तों की पहचान तुम्हीं हो।
सुबह की बेला,दिन की धूप
गोधूलि की शाम तुम्हीं हो।
थके पथिक की अंकशायिनी
रात्रि का विश्राम तुम्हीं हो।
मंदिर में जलते दीपक सी
पूजा और अजान तुम्हीं हो।
आन बान और शान है तुमसे
हर घर की मुस्कान तुम्हीं हो।
आदि हो इस जगत का तुम ही
सृष्टि का परिणाम तुम्हीं हो।
हर युग के स्वर्णिम पृष्ठों में
नर से सदा महान तुम्हीं हो।
किन शब्दों में दूं परिभाषा
हर शब्द है लगता तुमसे छोटा।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

मेरे इस मुल्क में ना फैलाओ नफरतें यारों

ये कैसी अन्यमनस्कता है?
ये कैसी मानसिकता है?
ये कैसी वैमनस्यता है?
जो कि मेरे ही मुल्क में अब,
ना जाने क्यूँ?
अजनबी से हो गए हैं हम,
आज मेरे ही मुल्क में ना जाने क्यूँ?
मज़हबी नफरतों का सैलाब है यारों।
आज मेरे ही मुल्क में क्यूँ ?
सिर्फ वर्चस्व का ही बोलबाला
है यारों।

ये कैसी अन्यमनस्कता है?
ये कैसी मानसिकता है?
आज मेरे ही मुल्क में कौन?
आखिर कौन फैला रहा है?
नफरतें इस भरे मुल्क में यारों,
अब बस भी करो यारों,
और ना फैलाओ मज़हबी,
नफरतों को मेरे इस मुल्क में।
ये कैसी अन्यमनस्कता है?
ये कैसी मानसिकता है?
हम सब एक हैं हमें,
एक ही रहने दो यारों।
ना करो भेदभाव किसी के
साथ यारों,
ना रखो दुश्मनी किसी के
साथ यारों,
प्रेम,सौहार्द्र,भाईचारे के साथ,
जी लो ज़िंदगी यारों।

ज्योति रानी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका ।
www.womenexpress.in

एक नजर

लूट करने के लिए बदमाश बदल रहे हैं अपने पैंतरे

नई दिल्ली। बदमाश लूट के लिए अब नएनए पैंतरे अपना रहे हैं। ताजा मामला गीता कॉलोनी इलाके का है। यहां बदमाशों ने एक नाबालिग को सड़क पर रोककर उससे उसका फोन नंबर मांगा और रिंग बजने पर जब नाबालिग ने फोन उठाया तो बदमाशों ने फोन झपटा और रफूचक्कर हो गए।

नाबालिग ने उनका पीछा भी किया, कुछ दूर भागने पर बदमाशों ने सड़क पर कवर फेंक दिया। यह देखकर नाबालिग रुक गया। जब उसने उस कवर को खोला तो उसमें कांच भरा हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित तौफिक गीता कॉलोनी के ब्लॉक नंबर12 में किराये पर रहता है। वह मूलरूप से बिहार के सुपौल का रहने वाला है।

पीएम मोदी ने काशीवासियों का जाना हाल

वीडियों कांफ्रेसिंग से 2 घंटे तक लोगों से करते रहे बात

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का हाल इस बार वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ऑनलाइन लिया। पीएम ने शुक्रवार को करीब दो घंटे से अधिक समय तक जनप्रतिनिधियों से वार्ता कर यहां की स्थिति की गहन समीक्षा की। समीक्षा दिन में 10 बजे प्रारंभ होकर सवा 12 बजे तक चली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना काल में काशीवासियों ने धैर्य और मेहनत से एकदूसरे का सहयोग किया है। इससे साबित हो गया कि आपदा के समय में भी आंसू बहाना स्वभाव नहीं है। यह कार्य देश के लिए किसी नजीर से कम नहीं है। वाराणसी प्रशासन ने भी जनसहयोग के लिए बेहतरीन कार्य किया।

प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन के दौरान जनपद में कोरोना संक्रमितों के इलाज, उन्हें खोजने, लोगों को

खाद्यान्न पहुंचाने के कार्यों के विषय में भी जाना। कमिश्नरी स्थित एनआइसी सेंटर में जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने प्रस्तुति दी। इसके बाद कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने विकास व निर्माण की परियोजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री ने श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर धाम, रिंग रोड और सड़क की अन्य योजनाओं के विषय में पूछताछ की। साथ ही उन्होंने लॉकडाउन के बाद विकास कार्यों को तेज करने का निर्देश दिया। कहा कि एक तो लॉकडाउन की वजह से देरी हुई है, दूसरे बहुत सारे लोग बेरोजगार हुए हैं ऐसे में योजनाओं को तेजी से शुरू करने से जहां लोगों को रोजगार मिलेगा, वही समय से उन्हें पूरा करने में सहूलियत होगी।

इसके बाद पीएम ने जिलाधिकारी से नीति आयोग के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेवापुरी को 90 दिनों में आदर्श ब्लाक बनाने की योजना की तैयारियों के बारे में पूछा। जिलाधिकारी ने बताया कि सेवापुरी विकास खंड में अब तक की स्थिति का आकलन कर आवश्यकताओं को चिन्हित कर लिया गया है। साथ ही वहां कर्मचारियों की नियुक्ति और विकास कार्यों को शुरू कर दिया गया है। योजनाओं को पूरा करने के लिए 175 करोड़ रुपए की जरूरत होगी। उसका भी एस्टीमेट बना लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देश में एक प्रयोग है जिसे सफल बनाएं, ताकि इसे आधार बनाकर पूरे देश में लागू किया जा सके। इस योजना के तहत पूरे ब्लाक को 31 अगस्त तक बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, केंद्र और राज्य की सभी योजनाओं को सभी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने आदि कार्य से पूरी तरह संतृप्त किया जाएगा। समीक्षा के दौरान राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी, रवींद्र जायसवाल, विधायक सुरेंद्र सिंह व सौरभ श्रीवास्तव, एमएलसी अशोक धवन व लक्ष्मण आचार्य मौजूद रहे।

राहुल के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने बांटे राशन कीट और मास्क

भदोही । भदोही जिले में शुक्रवार को कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का जन्म दिवस बेहद सादगी से मनाया। इस मौके पर सुरियावां में जरूरतमंदों को न्याय कोरोना कीट का वितरण किया। जिसमें राशन ,सब्जी ,मास्क ग्लब्ज विटामिन सी की गोलियां और दूसरे सामन शामिल थे। कॉंग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम अंसारी एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजन दुबे ने कहा कि राहुल गांधी के जन्म दिवस को कोरोना महामारी एवं चीन संकट को देखते हुए सादगी से मनाया गया है। कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों को कोरोना किट का वितरित किया। जिसमें राशन ,सब्जी ,मास्क ग्लब्ज विटामिन सी की गोलियां और दूसरे सामन शामिल हैं। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राजेश यादव व पूर्व कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राकेश कुमार मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी का जीवन पूरी तरह से पिछड़े वंचितों शोषितों के लिए ही समर्पित है। राहुल गांधी के कारण आज हम जैसे हजारों

नौजवान राजनीति के मुख्यधारा में जुड़ पाए हैं। कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईश्वर से उनके दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुरेश चंद्र मिश्रा, युवा कॉंग्रेस जिला अध्यक्ष नाजिम अली, शानू खान, सुरेश चौहान अफसर हाशमी, विवेक कुमार, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

कोरोना योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। शुक्रवार को आशा संस्था की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था की अध्यक्षा मुस्कान साहू ने वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर हुए लॉकडाउन में कर्मयोद्धा की भूमिका निभाने वाले समाज सेवियों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में जायसवाल क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जायसवाल, शत्रुघ्न सनी सिंह, हिमानी जायसवाल, सुशील गुप्ता, विकास कुमार, मोनिका श्रीवास्तव, पूजा गिरीं व राजकुमार जायसवाल आदि शामिल है।

इस अवसार पर सचिव प्रीति जायसवाल, दुर्गेश जायसवाल, आशीष सोनी, मुकेश विश्वकर्मा व सुमित गुप्ता आदि मौजूद थे। संस्था की अध्यक्षा मुस्कान साहू ने कहा कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसी विकराल स्थिति में जनता के प्रति कोरोना योद्धाओं की सेवाएं अतुलनीय व अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण ज्यादातर लोग एक दूसरे से दूर

रहने का प्रयास करते हैं।

ताकि वह इस बीमारी से बच सकें। परन्तु ऐसे समय में भी जायसवाल क्लब के जांबाज साथियों ने अपनीअपनी जान जोखिम में डालकर सबसे निचले तबके के जरुरतमंदों के घरघर जाकर उन्हें भोजन व सूखा राशन पैकेट दिया। कहा, इन कोरोना योद्धाओं के कारण ही वाराणसी में कोई भूखा नहीं रहा। क्लब के लोग लोगों को कोविड से सुरक्षित रखने के उद्देश्य के साथ चलाए सरकार के मिशन की सूत्रधार बन कर अच्छा रोल अदा कर रहे हैं। घरघर जाकर लोगों को मुंह पर मास्क लेने, हाथों को अच्छी तरह से धोने और सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व भी समझा रहे है।

पश्चिम बंगाल के 10 जिलों में चलेगा हेल्प इंडिया का जागरूकता अभियान

कोलकाता। हेल्प इंडिया संस्थान के पश्चिम बंगाल के प्रदेश महामंत्री सुजय मोदक ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना से जंग लड़ने के लिए जागरूकता का अभियान हेल्प इंडिया पश्चिम बंगाल के 10 जिलो में चलाएगी। हेल्प इंडिया संस्थान के द्वारा इस वैश्विक महामारी कोरोना के समय पूरे भारतवर्ष में नए प्रयोग के द्वारा अनेक सामाजिक कार्य किए गए हैं। हेल्प इंडिया ऑनलाइन संस्थान के द्वारा 19 राज्यो के 134 जगह इसी तरह का अभियान वर्तमान में चल रहा है। उन्होंने बताया कि मेदिनापुर जिले के झकरा के ग्रामीण आँचल में एम95 मास्क 500 वितरण के साथ बंगाली भाषा में जागरूकता के पेम्पलेट बांटे गए। इस पेम्पलेट में संस्थान के द्वारा इम्नियुटी के फार्मूले को घर पर निर्मित करने के तरीके के साथ सोशल डिस्टेंसिंग सहित अनेक प्रकार से जागरूक करने का अभियान था। हेल्प इंडिया में हेल्प विंग के स्टेट चैयरमेन राजकुमार मंडल, प्रदेश

सचिव राहुल पांडा ने बताया कि संस्थान के द्वारा एक करोड़ प्रीवेंटिव हेल्थ कंसल्टेंट अगले एक वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य है। योग दिवस के दिन इसका आगाज होगा तथा हर दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा ये अभियान चलाया जाएगा।

एनटीपीसी दादरी ने किया 21 अंत्योदय कार्ड धारकों के मध्य फूड किट का वितरण

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दादरी । अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व को निभाते हुए एनटीपीसी दादरी प्रबंधन द्वारा प्रेरणा समिति के माध्यम से समीपवर्ती गांव रसूलपुर डासना के अंत्योदय कार्ड धारकों के मध्य फूड किट (आटा, चावल, दाल, नमक, सरसों का तेल और हल्दी) वितरित की गयी। इस अवसर पर समूह महाप्रबंधक (दादरी) सी. शिवकुमार द्वारा अंत्योदय कार्ड धारकों को फूड किट प्रदान की गयी। इस अवसर पर कुल 21 अंत्योदय कार्ड धारकों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गयी।

इस कार्यक्रम में उपस्थित अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विजय लक्ष्मी मुरलीधरन, प्रेरणा समिति की सचिव एवं वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) श्वेता, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) कन्हैया लाल, अधिकारी (सीएसआर) डी सी सैनी एवं ग्राम रसूलपुर डासना के ग्राम प्रधान सिवानंद शिशौदिया ने भी खाद्य वितरण में सहयोग

प्रदान किया। इस अवसर पर सी एस आर प्रभाग द्वारा सभी उपस्थित अंत्योदय कार्ड धारकों को मास्क भी वितरित किये गये। प्रेरणा समिति, एनटीपीसी दादरी के कर्मचारियों द्वारा गठित एक एनजीओ (संस्था) है जो कि एनटीपीसी प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि क्षेत्रों सहित अन्य सामाजिक कार्यों में समर्पित भाव से जुड़ी है।

कोविड-19 से संबंधित चिंताओं के मद्देनजर रुपया 6 पैसे कमजोर

मुंबई। डॉलर की मजबूती के बीच कोविड19 से जुड़ी चिंताओं के निवेशकों की धारणा पर हावी होने के कारण शुक्रवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया छह पैसे टूटकर 76.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अन्य वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने, भारतचीन के बीच सीमा तनाव और कोरोना वायरस संक्रमितों की बढ़ती संख्या के चलते रुपये पर दबाव रहा। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों की तेजी और विदेशी पूंजी के नये प्रवाह से स्थानीय मुद्रा में गिरावट पर अंकुश लगा। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 76.28 पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 76.17 के उच्चतम और 76.29 के निम्नतम स्तर को छुआ। इस उतार चढ़ाव के बाद यह पिछले दिवस के मुकाबले छह पैसे टूटकर 76.20 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 76.14 पर बंद हुआ था।

एबीवीपी नेताओं ने चीनी राष्ट्रपति का पुतला फूँक जताया विरोध, चीनी सामान का बहिष्कार

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बख्शी पुरा नई बस्ती निवासी शशि प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में तथा जनपद के अन्य छात्र नेताओं ने चीन के सैनिकों के द्वारा भारतीय जवान सिपाहियों अधिकारियों पर धोखे से हमला करना जिससे हमारे जवान देश की रक्षा करते करते शहीद हो गए, इससे आक्रोशित होकर एबीवीपी के छात्र नेताओं ने बहराइच शहर के डिगिहा तिराहे पर चीन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, चीनी सामान का बहिष्कार करने का ऐलान किया साथ ही साथ चीन के राष्ट्रपति का पुतला फूंक कर नाराजगी व्यक्त की साथ ही साथ छात्र नेताओं ने कहा कि हम सभी भारतवर्ष भारतवंशी चीन के सामान का बहिष्कार करते हैं एवँ भारत सरकार से अपील है कि चीनी सेना को मार गिराने के लिए भारतीय सेना को छूट दे इस अवसर पर शशि प्रकाश मिश्र, रजत शर्मा, अभिषेक कश्यप,राज त्रिपाठी, आयुष यज्ञसैनी, आदित्य श्रीवास्तव, रजत सिंह रैकवार,रत्न, आदर्श शुक्ला, शिवांकर शुक्ला ने भी पुतला फूंककर,नारेबाजी कर विरोध जताया।

परिवार संपर्क अभियान के तहत हुआ जनसम्पर्क वितरित किया PM संदेश पत्र मास्क सेनेटाइजर

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच जनपद की तहसील पयागपुर अंतर्गत बिशेश्वरगंज क्षेत्र की ग्रामपंचायतों में परिवार सम्पर्क अभियान के निमित्त बूथस्तर पर घर घर जाकर पीएम संदेश पत्र, डायरी , मास्क व सेनेटाइजर वितरित करने का कार्य चरम पर है ।

भाजपा कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों के साथ पदाधिकारी व जिला कार्य समिति सदस्य सभी मैदान में है । इसी क्रम में बिशेश्वरगंज अंतर्गत ग्रामसभा कुरसहा बूथ नम्बर 55 पर जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद पाठक, जिला कार्य समिति सदस्य मनोज शुक्ला, बूथ अध्यक्ष अमित पाठक, भाजपा नेता बलराम शुक्ल ने परिवार सम्पर्क अभियान के तहत घर घर संपर्क कर पीएम संदेश पत्र व मास्क वितरित किया ।

अभियान यही रुका नहीं और जिला कार्य समिति सदस्य मनोज शुक्ला की अगुवाई में तेंदुआ कबीर बूथ नंबर 22, धौली सुनगा बूथ नम्बर 140 पर बूथप्रमुख रुद्र कुमार त्रिपाठी, बैजनाथ पांडेय ,बलराम शुक्ला आदि के साथ परिवार संपर्क अभियान चलाया गया ।जिला

उपाध्यक्ष सच्चिदानंद पाठक ने मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि मोदी सरकार ने भारत का गौरव देश के साथ विश्वपटल पर बढ़ाया और इस एक वर्ष में भारत की कई जटिल समस्याओं को सुलझा कर एक अमित इतिहास बना दिया, पीएम इस वैश्विक महामारी में भी पूरी कुशलता के साथ देश का नैतृत्व कर रहे है। जिला कार्य समिति सदस्य मनोज शुक्ला ने बताया कि हर परिस्थिति में पीएम ने देश का कुशल नेतृत्व किया और दूसरे कार्यकाल के इस एक वर्ष को ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण करने का काम किया है, यही नहीं सरकार प्रत्येक आमजन की सुख सुविधाओं, देखरेख हेतु 2014 से ही प्रतिबद्ध रही है ।

युवा समाजसेविका दीक्षा के जन्मोत्सव पर शामिल हुए कई दिग्गज, किया प्लांटेशन

जयपुर। राजधानी के प्रमुख समाजसेवी, उद्यमी नरेंद्र हर्ष की होनहार पुत्री युवा समाजसेविका दीक्षा हर्ष के जन्मदिन के अवसर को सादगी पूर्वक प्लांटेशन कर मनाया गया। यहां स्काई टेरेस बिल्डिंग में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में अनेक राजनीतिज्ञ, उधोगपति व गणमान्य जन शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रामचरण बोहरा, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी, भा.जा.पा. जयपुर के महामंत्री राजकुमार रोहिल्ला, प्रकाश शर्मा, लोकेश जोशी, ओमप्रकाश सेवदा, विजय जैन, राजेंद्र भान, रमेश नागपाल, आशुतोष जैन, सोमकांत भोजक, वीरेंद्र पोरवाल व चन्द्रशेखर आदि ने होनहार दीक्षा को आशीर्वाद प्रदान किया। परनामी एवं बोहरा ने नरेंद्र हर्ष के सेवाभाव का जिक्र करते हुए कहा कि एक दूसरे को जोड़ने वाला और मधुर संबंध स्थापित करने वाले तत्व को ही सेवाभाव कहते हैं। दीक्षा के कदम भी इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। उपस्थित सभीजनों का स्वागतसत्कार के साथ हृदय से आभार और धन्यवाद नरेंद्र हर्ष ने ज्ञापित किया।

निजी स्कूल ने दी सौगातः आधी फीस माफ 50 प्रतिशत छूट में मिलेगी पूरी शिक्षा

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बीकानेर। वैश्विक महामारी कोरोना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। रोजगार, उद्योगधंधों से लेकर सभी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। लॉकडाउन जैसी परिस्थितियों से देशवासी रुबरु हुए हैं और कालचक्र के गंभीर रूप को भी देखा है। संकट के इस दौर में सेवा के हाथ सभी ने बढ़ाए हैं, इसी क्रम में घर बैठे बच्चों की शिक्षा अनवरत जारी रहे ऐसा प्रयास नोखा रोड स्थित अर्हम् इंग्लिश एकेडमी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल द्वारा किया जा रहा है।

अर्हम् के सचिव सुरेन्द्र कुमार डागा ने शुक्रवार को आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में बताया कि संकटकाल की गंभीरता को समझते हुए इस बार विद्यार्थियों से आधी फीस ही ली जाएगी। डागा ने बताया कि हम सबको सेवा व सहायता के भाव को समझते हुए इस बार अभिभावकों को फीस में 50 प्रतिशत छूट देकर मानव धर्म निभाना चाहते हैं। शाला प्रबंध निदेशक रमा जैन ने बताया कि इस बार गत वर्ष की फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है तथा कक्षा नर्सरी से लेकर पांचवीं तक की फीस में 50 प्रतिशत छूट दी गई है। छठी से बारहवीं तक की फीस में 25 प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। यह छूट नए एवं

पुराने दोनों प्रवेश पर दी जाएगी इसमें किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लगेगा। शाला सचिव सुरेन्द्र डागा ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चलते सुरक्षा के पुख्ता प्रबन्ध सत्र पर्यंत के लिए किए गए हैं। फुल सेनेटाइजैशन प्लांट के साथ विद्यार्थियों का संक्रमण से बचाव किया जाएगा। डागा ने बताया कि एंट्री गेट से ही विद्यार्थी सेनेटाइज्ड होकर जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सरकारी गाइडलाइन के अनुसार स्कूल का संचालन किया जाएगा स खास बात यह है कि बैगलेस कॉन्सेप्ट का अर्हम इंग्लिश अकैडमी में कई वर्षों पूर्व ही प्रारंभ कर दिया था जिसका पूरा फायदा इस संक्रमण के दौर में भी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मिलेगा। थर्मल स्कैनर, शूज डिसइनफैक्टर, पैडल हैंड सेनेटाजेशन मशीन, मास्क, बैग डिसइनफैक्टर, ऑटोमेटिक पम्पिंग मशीन से पूरी स्कूल में सेनेटाइजर आदि सब सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ विद्यार्थियों का ख्याल रखा जाएगा।

साहित्य एवं कविताओं से होती है आमजन के मनोबल की रक्षा

बाबू देवकीनन्दन खत्री के साहित्य के पुनर्मूल्यांकन की जरूरत

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। साहित्यकारों एवं कवियों ने प्रेम व सामयिक चिंतन के माध्यम से जनता के मनोबल की रक्षा की। यदि हमें इसे आगे बढ़ाना है तो सभी बंधनों से मुक्त होना होगा। यह बातें प्रो बीएन जुयाल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित उनके जीवन वृत्त एवं कार्य विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में विद्वानों ने कही। विद्यानों ले कहा कि हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में काशी के बाबू देवकीनन्दन खत्री रचित तिलस्मी उपन्यास 'चंद्रकांता' का बड़ा योगदान है। उनके सभी उपन्यासों का सारा रचना तंत्र बिल्कुल मौलिक एवं स्वतंत्र है। अपनी लेखनी से उन्होंने स्वयं को प्रथम तिलस्मी उपन्यासकार के रूप में स्थापित किया। वे लोकविश्रुत रचनाकार थे। उनके साहित्य संसार के पुनर्मूल्यांकन की जरूरत है।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ अत्रि भारद्वाज ने हिन्दी के प्रचारप्रसार में उनके चर्चित उपन्यास 'चंद्रकांता' को मील का पत्थर बताया। आलोचक डॉ राम सुधार सिंह ने उनकी कृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे लहरी यानी मनमौजी व विनोदी थे। उन्होंने हिन्दी के पाठक तैयार किए। गजलकार व प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप ने उनके जीवन दर्शन को रेखांकित

करते कहा कि उनकी स्वीकार्यता इसी में निहित है कि 'चन्द्रकान्ता' पढ़ने के लिए अनेकों ने देवनागरी सीखी। बीएचयू के प्रो वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी ने कहा कि चंद्रकांता तथा चन्द्रकांता संतति में यद्यपि इस बात का पता नहीं चलेगा कि कब और कहां भाषा का परिवर्तन हो गया और अंत में बालक और वृद्ध का परिवर्तन मिलता है। काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता संस्थान के निदेशक प्रो ओमप्रकाश सिंह ने उनके साहित्यिक पक्ष की चर्चा करते बताया कि उन्होंने मासिक पत्र 'सुदर्शन' भी निकाला था। कथा लेखिका डॉ मुक्ता का पक्ष था कि खत्री जी को वह स्थान नहीं मिला, जिसके वे अधिकारी थें। मेरठ से कवयित्री पारूल अग्रवाल ने इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि बाजार, तिलस्मी और मनोरंजक बता कर उनकी रचनाधर्मिता की उपेक्षा की गई। डॉ श्रद्धानंद ने कहा कि उनके उपन्यासों की भाषा इतनी सरल है कि स्कूली बच्चे भी पढ़समझ सकते है। साहित्यकार डॉ देवी प्रसाद कुंवर ने उन्हें अंग्रेजी, फारसी और संस्कृत का भी विद्वान बताया। न्यास के प्रमुख डॉ अंबिका प्रसाद गौड़ ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि चकिया व नौगढ़ के जंगलों व खंडहर हो चुकी इमारतों की पृष्ठभूमि में उन्होंने तिलिस्म व ऐयारी की कल्पना को शब्द चित्र देते हुए 'चन्द्रकांता' की रचना कर दी। मुख्य परामर्शी डॉ देवेन्द्र कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते कहा कि वे प्रथम तिलस्मी उपन्यासकार थे। तिलस्मी साहित्य लेखन कठिन है। इस अवसर एपी गौड, डॉ देवेन्द्र कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

अनलॉक 2.0 की उम्मीद में लगातार दूसरे दिन चढ़ा शेयर बाजार

मुंबई। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच अनलॉक 2.0 की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन बढ़त बनाते हुये तीन महीने से अधिक के उच्चतम स्तर पर बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 523.68 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की छलांग लगाकर 34,731.73 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 152.75 अंक अर्थात् 1.51 फीसदी की मजबूती के साथ 10,244.40 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन बड़ी बढ़त देखी गई है। इन दो दिनों में 1,223.81 अंक और निफ्टी 363.25 अंक चढ़ चुका है। रियलिटी समूह का सूचकांक छह फीसदी और ऊर्जा समूह का पाँच फीसदी से अधिक चढ़ा। पिछले 58 दिन में कुल एक लाख 68 हजार 818 करोड रुपये का निवेश जुटाने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में छह फीसदी से अधिक की तेजी देखी गई और सेंसेक्स की बढ़त में इसका सबसे ज्यादा योगदान रहा। बैंकिंग एवं वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के साथ ही भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी और हिंदुस्तान यूनिलिवर जैसी दिग्गज कंपनियों में तेज लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। दूसरी तरफ एचडीएफसी, आईटीसी और इंफोसिस जैसी कंपनियों में निवेशकों ने बिकवाली की।

एम्बुलेंस नहीं मिली तो कोरोना पॉजिटिव को बाइक से लेकर पहुंचा भाई

गोंडा। गोंडा जिले में मनकापुर तहसील के एक गांव में गुरुवार रात आई रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव मिले युवक के मामले में बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। रिपोर्ट आने के बाद कोरोना पॉजिटिव प्रशासन की सूचना पर घंटों गांव के बाहर एक पुलिया पर बैठा रहा। इसके बाद भी प्रोटोकॉल के तहत उसे लेने एम्बुलेंस नहीं पहुंची तो छोटे भाई ने बाइक से लाकर उसे सीएचसी छोड़ा। इसके बाद सीएचसी से देर रात एम्बुलेंस कोरोना पॉजिटिव युवक को लेकर कोविड वन हास्पिटल गई। लापरवाही के इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने तो पल्ला झाड़ लिया है लेकिन एसडीएम ने जिला प्रशासन को रिपोर्ट भेजी है। वहीं सीएमओ डॉ. मधु गैरोला का कहना है कि सीएचसी अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी गई है कि क्यों नहीं मरीज को लेने एम्बुलेंस नहीं गई है। इसके चलते एसडीएम ने बाइक से छोड़ने वाले भाई को स्थानीय क्वारंटाइन सेंटर में आइसोलेट करा दिया है। उसका सैम्पल जांच के लिए भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार रात को आई रिपोर्ट में मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के बल्लीपुर गांव के मजरा कठौवा गुननुआ में एक युवक कोरोना पॉजिटिव मिला था वह मुंबई से आकर गांव में रह रहा था। मोबाइल वैन टीम द्वारा उसका सैम्पल टेस्ट के लिए भेजा गया था। एसडीएम हीरालाल ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मरीज के भाई को क्वारंटाइन कराया गया है।

वरिष्ठ नागरिक को लूटने वाला नाबालिग और दो बदमाश पकड़े

नई दिल्ली। वरिष्ठ नागरिक को लूटने में शामिल एक नाबालिग और दो बदमाशों को सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने पकड़ा है। बदमाशों के पास से लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ है। आरोपितों की पहचान जखीरा निवासी मो. अब्दुल्ला उर्फ काना और शहजादाबाद निवासी मो. समीम उर्फ मुर्गी के रूप में हुई है। समीम पहले भी चोरी और लूट के पांच मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी मोनिका भारद्वाज ने बताया कि 14 जून को दया बस्ती रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल लूटने की शिकायत मिली थी। रेलवे कॉलोनी निवासी वरिष्ठ नागरिक खेम चंद ने पुलिस को बताया कि तीन लोगों ने उनसे मोबाइल लूट लिया था। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। टीम ने एक सूचना पर छापा मारकर मो. अब्दुल्ला और मो. समीम को दया बस्ती से गिरफ्तार कर लिया।

इन दोनों के साथ एक नाबालिग को भी पकड़ा गया। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि बुजुर्ग को लूटने के साथ 1 जून को उन्होंने रबीब अंसारी का मोबाइल लूटा था। इसका मामला भी सराय रोहिल्ला थाने में दर्ज हुआ था।

हालत बिगडने के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री आईसीयू में भर्ती

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कोविड19 से संक्रमित दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की हालत बिगडने के बाद शुक्रवार को उन्हें मैक्स अस्पताल में आईसीयू में भर्ती किया गया। सूत्रों ने संकेत दिया है कि जैन (55) का प्लाज्मा पद्धति से उपचार किए जाने की संभावना है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। मैक्स अस्पताल में भर्ती किए जाने से पहले एक सरकारी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया ऑक्सीजन का स्तर गिरने के बाद उन्हें लगातार ऑक्सीजन दिया जा रहा था। उन्हें निमोनिया होने की पुष्टि भी हुई है। एक सूत्र ने बताया, शाम में उन्हें साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में लाया गया और आईसीयू में भर्ती किया गया।'' आरजीएसएसएच के सूत्रों ने बताया कि मंत्री की बिगड़ती हालत को देखते हुए उनके

परिवारवाले उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करना चाहते थे। इससे पहले दिन में जैन का उपचार करने वाले डॉक्टरों के मुताबिक ऑक्सीजन स्तर (एसपीओ2) गिरने के कारण उन्हें लगातार ऑक्सीजन दिया जा रहा था। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआईभाषा' को बताया, उनके ऑक्सीजन का स्तर 89 प्वांइट पर गिरने के बाद उन्हें लगातार ऑक्सीजन दिया जा रहा था। सामान्य स्तर करीब 95 होता है। उन्हें निमानियो होने की पुष्टि भी हुई है इसलिए उन्हें अस्पताल की आईसीयू में स्थानांतरित करने का फैसला किया गया।'' उन्होंने बताया कि बाद में उन्हें सीधे मैक्स अस्पताल भेजने का फैसला किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। शाह ने ट्वीट किया, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं जो कोविड19 संक्रमण से जूझ रहे हैं।'' जैन को 16 जून को पूर्वी दिल्ली में राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) में भर्ती कराया गया था। जैन बुधवार को कोविड19 से संक्रमित पाए गए थे। इससे एक दिन पहले तेज बुखार के बाद उन्हें आरजीएसएसएच में भर्ती कराया गया था और कोरोना वायरस की जांच की गयी लेकिन उसमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। बुखार बने रहने और संक्रमण के लक्षण मिलने पर बुधवार को फिर से जांच की गयी।

भारत में निर्मित उत्पादों का इस्तेमाल करेगी भारतीय रेलवे

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने दिया संकेत, कहा-मेक इन इंडिया पर होगा जोर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे केवल भारत में निर्मित उत्पादों का उपयोग करने और आयात को शून्य तक ले जाने की कवायद शुरू कर दी है। इसको लेकर रेलवे ने काम भी शुरू कर दिया है। रेलवे ने एक दिन पहले ही चीन की एक कंपनी का अनुबंध रद्द कर दिया है। बाकी अनुबंधों पर भी विचार हो रहा है। इसके साथ ही भारत में निर्मित उत्पादों पर कसरत शुरू कर दी है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वीके यादव ने आज यहां इसके संकेत भी दे दिए। ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिग के दौरान यह भी कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि रेलवे द्वारा निर्मित उत्पादों का निर्यात किया जाए। उन्होंने कहा कि रेलवे की निविदाओं में अधिकतर घरेलू कंपनियों को आमंत्रित किया जाता है। बीते दोतीन साल से रेलवे ने उत्पादों के आयात में कमी लाने के लिये कई कदम उठाएं हैं। यादव ने कहा कि हमने मेक इन इंडिया नीति

लागू की है। हमारी सिग्नल प्रणाली, निविदा शुरू करने की नीति, इसके उदाहरण हैं। हमारे यहां मेक इन इंडिया के तहत 70 प्रतिशत से अधिक काम किये गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे भारत में बने उत्पाद का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करना चाहते हैं। हम रेलवे द्वारा निर्मित उत्पादों का निर्यात भी करने का भी प्रयास कर रहे हैं। बता दें कि रेलवे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उसने कानपुर और मुगलसराय के बीच 417 किलोमीटर लंबे खंड पर सिग्नल व दूरसंचार के काम में धीमी प्रगति के कारण चीन की एक कंपनी का ठेका रद्द करने का निर्णय लिया है।

रेलवे ने कहा था कि कंपनी को 2019 तक काम पूरा कर लेना था, लेकिन अभी तक वह सिर्फ 20 प्रतिशत ही काम कर पायी है। रेलवे ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है, जब सोमवार को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद होने के बाद देशभर में चीनी उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठ रही है।

तानाशाह चीन के खिलाफ हम केंद्र सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। लद्दाख की गलवान घाटी में चीन की सेना के साथ भारतीय जवानों के संघर्ष के बाद उपजे तनाव को लेकर शुक्रवार को केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह राष्ट्र के लिए एक अच्छा संदेश है, जो ये दिखाता है कि हम अपने जवानों के पीछे एकजुट हैं।

सूत्रों के हवाले से कहा कि बैठक में ममता बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी उद्योग में चीन की भारत में एंट्री को बैन कर देना चाहिए, फिर चाहे हमें थोड़ा नुकसान ही क्यों ना हो। उन्होंने कहा, चीन को किसी भी सूरत में भारत के दूरसंचार, रेलवे और उड्डयन (एविएशन) क्षेत्रों में प्रवेश की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। इससे हमें कुछ दिक्कतों का सामना जरूर करना पड़ेगा, लेकिन हमें चीन को घुसने नहीं देना है। ममता बनर्जी ने कहा, चीन में लोकतंत्र नहीं है। वे एक तानाशाही हैं। वे वही कर सकते हैं जो वे महसूस करते हैं। दूसरी ओर, हमें एक साथ काम करना होगा। भारत

जीत जाएगा, चीन हार जाएगा। एकता के साथ बोलिए। एकता के साथ सोचें। एकता के साथ काम करें। हम सरकार के साथ हैं। वहीं, जेडीयू चीफ और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा, चीन के खिलाफ देशभर में गुस्सा है। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। हम एक साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 लोक कल्याण मार्ग पर भारतचीन सीमा स्थिति पर चर्चा के लिए सर्वदलीय वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में 20 पार्टियों ने हिस्सा लिया।

पूर्वी लद्दाख में भारतचीन सेनाओं के बीच गतिरोध कम करने के प्रयासों के बीच सोमवार को गलवान घाटी में तीन घंटे तक दोनों सेनाओं के बीच चले खूनी संघर्ष में भारतीय सेना के एक कमांडिग अधिकारी समेत 20 जवान शहीद हो गए। इस झड़प में चीनी जवानों के मारे जाने की भी पुष्टि की गई, लेकिन चीन की तरफ से यह नहीं बताया गया है कि उसके कितने सैनिक हताहत हुए हैं। पर न्यूज एजेंसी एनएनआई को मिली जानकारी के अनुसार 43 चीनी सैनिक या तो गंभीर रूप से घायल हुए हैं या मारे गए हैं।

गन्ना किसानों के पाई-पाई का भुगतान करेंगे

मुख्यमंत्री योगी ने गन्ना किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 418 करोड़ का भुगतान किया

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास से गन्ना किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 418 करोड़ रुपए का भुगतान किया। योगी सरकार ने पिछले 3 वर्षों में अब तक 1,00,325 करोड़ रुपए के गन्ना मूल्य का भुगतान कर चुकी है, जो अब तक सबसे बड़ा रिकार्ड है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार हर कदम पर पूरी शिद्दत से किसानों के साथ है। सरकार किसानों की आय दोगुना करने को लेकर लगातार कार्य कर रही है। गन्ना किसानों के पाईपाई का भुगतान हमारी प्रतिबद्धता है। विगत 3 माह 3 वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश के चीनी उद्योग के इतिहास का यह स्वर्णिम अवसर है, जब इतनी बड़ी धनराशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे किसान के खाते हो रहा है। पिछली कोई भी सरकार ने इतना भुगतान अपने 5 साल के कार्यकाल में भी नहीं किया।

चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की ओर से आयोजित

कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए किसानों से संवाद स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन का असली मानक लोगों की संतुष्टि है। चीनी उद्योग के लिए यह स्वर्णिम समय है। इस दौरान न सिर्फ रिकॉर्ड भुगतान हुआ बल्कि गन्ने और चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन भी हुआ। किसानों के परिश्रम ने प्रदेश में आज एक नई राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने चीनी मिलें बंद की थी, हमारी सरकार ने उसे फिर चालू करवाया।

गोरखपुर में कभी 3 चीनी मिलें हुआ करती थीं और देखते ही देखते पिछली सरकारों के कार्यकाल में सभी चीनी मिलें बंद हो गई थीं। लेकिन हमारे आने के बाद गन्ना विभाग ने पिपराइच में नई चीनी मिल स्थापित की।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह सब अन्नदाता किसानों की मेहनत के बूते हुआ। इस दौरान केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने भी किसानों के हित को सर्वोपरि रखा। कोरोना के नाते हुए लॉकडाउन खेतीबाड़ी के लिए चुनौती था। गन्ने और गेहूं की फसल खेत में थी। हमें संक्रमण रोकते हुए किसानों का हित भी देखना था।

हमने तय किया कि लॉकडाउन के सारे मानकों का अनुपालन करते हुए हम गेहूं और गन्ने की खरीद करेंगे। जब तक किसानों के खेत में एक भी गन्ना रहेगा चीनी मिलों को भी चलाएंगे। शासन और किसानों के बेहतरीन तालमेल के कारण ऐसा हुआ भी। उन्होंने कहा कि आज का किसान टेक्नोलॉजी के साथ जुड़ा है। टेक्नोलॉजी के माध्यम से बिना पर्ची के केवल मोबाइल फोन पर एसएमएस दिखा कर भी गन्ने की तुलाई संभव है। भुगतान के लिए अब इधर उधर भटकना नहीं पड़ता है।

चीन ने किया साफ- मौजूदा समय में किसी भारतीय जवान को हिरासत में नहीं रखा

नई दिल्ली। चीन ने 15 जून को गलवान घाटी में झड़प के बाद कुछ भारतीय बलों को हिरासत में लिए जाने की खबरों के बीच शुक्रवार को कहा कि ''इस समय '' कोई भारतीय जवान उसकी हिरासत में नहीं है। भारतीय सेना ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी बलों के साथ जिन भारतीय जवानों की झड़प हुई थी, उनमें से कोई लापता नहीं है। इसके एक दिन बाद चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यह बयान दिया।

झाओ ने गलवान घाटी में भारतीय एवं चीनी बलों के बीच गतिरोध पर सवालों का जवाब देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जहां तक मेरी जानकारी है, इस समय कोई भारतीय जवान चीन की हिरासत में नहीं है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या भारत ने किसी चीनी जवान को हिरासत में लिया है, ''चीन और भारत राजनयिक एवं सैन्य माध्यमों से मामले को सुलझाने के लिए वार्ता कर रहे हैं। इस समय मेरे पास आपको देने के लिए कोई जानकारी नहीं है।''

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों ने नयी दिल्ली में कहा कि दो मेजरों समेत 10 भारतीय जवानों को चीनी सेना ने तीन दिन तक वार्ता के बाद बृहस्पतिवार शाम को रिहा किया। भारतीय एवं चीनी सेनाओं ने गलवान घाटी के आसपास के इलाके

में सामान्य स्थिति बहाल करने और गतिरोध दूर करने के लिए लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को मेजर जनरल स्तर की वार्ता की। सोमवार को हुई झड़प नाथू ला में 1967 में हुई झड़पों के बाद दोनों सेनाओं के बीच अब तक का सबसे बड़ा टकराव था। नाथू ला में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 80 सैनिक शहीद हुए थे जबकि चीन के 300 से अधिक सैनिक मारे गए थे।

चीन पर बरसे उद्धव, आंखें निकालकर हाथ में देने की ताकत रखती है सरकार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। लद्दाख सीमा पर चीन से तनाव को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम सब एक हैं और पीएम मोदी और सेना के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत मजबूर नहीं मजबूत है। हमारी सरकार आंखें निकालकर हाथ में दे सकती है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, हम सब एक हैं। यही सबकी फीलिंग है। प्रधानमंत्री जी हम आपके साथ हैं। हम सेना और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत शांति चाहता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हैं। धोखा देना चीन का नेचर रहा है। भारत मजबूत है मजबूर नहीं। हमारी सरकार के पास आंखें निकालकर हाथ में देने की ताकत है। अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल ने कहा, मुद्दे को किस तरह हैंडल किया जा रहा है, यह इस पर सवाल उठाने का समय नहीं है। देश पीएम के साथ है। हमें चीन को संदेश देना चाहिए कि हम पीएम के साथ हैं। उधर, समाजवादी पार्टी के नेता

रामगोपाल यादव ने कहा कि देश एक है। पाकिस्तान और चीन की नीयत ठीक नहीं है। भारत चीन का डंपिंग ग्राउंड नहीं रहेगा। चीनी सामानों पर 300 फीसदी ड्यूटी लगा दी जाए।

भारतचीन सीमा पर स्थिति के संबंध में विचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस संवेदनशील मुद्दे पर अपने विचार सामने रखे। इस डिजिटल बैठक की शुरुआत में उन 20 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई जो पिछले दिनों पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में शहीद हो गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शहीद जवानों के सम्मान में खड़े होकर कुछ देर मौन रखा। शुरुआत में सिंह और जयशंकर ने टकराव के बारे में बात की। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, टीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव, जद (यू) नेता नीतीश कुमार, द्रमुक के एम के स्टालिन, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वाईएस जगन मोहन रेड्डी और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए।

लद्दाख में तनावः वायु सेना प्रमुख ने लेह, श्रीनगर का किया दौरा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। वायु सेना प्रमुख आर के एस भदौरिया ने गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद चीन से बढ़े तनाव के बीच तैयारियों का जायजा लेने के लिए लेह और श्रीनगर का दो दिवसीय दौरा किया। सैन्य सूत्रों ने इस बारे में बताया है। वायु सेना ने चीन से लगी 3500 किलोमीटर की सीमा के पास अपने सभी अग्रिम बेस को हाई अलर्ट पर रखा है और झड़प के बाद तैयारियों के तहत लड़ाकू विमान और अन्य जंगी हेलिकॉप्टर जैसे अतिरिक्त संसाधनों को तैनात किया है। एयर चीफ मार्शल भदौरिया बुधवार को वायु सेना के लेह बेस पर पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्वी लद्दाख में संवेदनशील सीमाई क्षेत्रों की हिफाजत में जुटे बल की तैयारियों की समीक्षा की। लेह से वह बुधवार को एक दिन के दौरे पर श्रीनगर गए जहां उन्होंने वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई बैठकें की। श्रीनगर सहित वायु सेना के महत्वपूर्ण बेस के लिए सुखोई 30 एमकेएल, जगुआर, मिराज 2000 विमान, अपाचे जंगी हेलिकॉप्टर तथा अन्य संसाधनों को भेज चुकी है। पता चला है कि गलवान में सोमवार को झड़प के बाद क्षेत्र में चीनी सेना की हवाई गतिविधि बढ़ने के बाद पिछले कुछ दिनों में पूर्वी लद्दाख में वायु सेना ने तैयारियों को तेज कर दिया है। भदौरिया बुधवार को लेह यात्रा के लिए रवाना हुए थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भदौरिया, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और सेना के दो अन्य अंगों के प्रमुखों के साथ समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में यह फैसला किया गया कि चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भारतीय थल सेना और वायु सेना के अग्रिम बेस को हाई अलर्ट पर रखा जाएगा। थल सेना को भी हिंद महासागर में पूरी चैकसी बरतने को कहा गया है, जहां पर चीनी नौसेना की गतिविधियां रहती है। सेना अरूणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में एलएसी के पास सभी अग्रिम बेस और तैनाती स्थल के लिए अतिरिक्त जवानों और हथियारों को पहले ही भेज चुकी है।

सरकार आश्वासन दे कि लद्दाख में यथास्थिति बहाल होगीः सोनिया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लद्दाख में 20 भारतीय जवानों की शहादत के बाद पैदा हुए हालात में देश के रक्षा बलों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि सरकार यह आश्वासन दे कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति बहाल होगी और चीनी सैनिक अपनी पुरानी जगह पर लौटेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई सर्वदलीय बैठक में यह भी कहा कि सरकार इस पूरे मामले में विपक्षी दलों और जनता को विश्वास में ले तथा स्थिति के बारे में नियमित तौर पर अवगत कराती रहे। सोनिया ने शहीद जवानों को नमन और घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए यह सवाल भी किया कि चीनी सैनिकों की घुसपैठ कब हुई थी और इसमें क्या कोई खुफिया नाकामी है? उनके मुताबिक यह बैठक उसी वक्त ही होनी चाहिए थी यह जानकारी आई थी कि चीनी सैनिकों ने पांच मई को घुसपैठ की। हमेशा की तरफ पूरा देश चट्टान की माफिक एकजुट खड़ा होता और देश की अखंडता की रक्षा करने में सरकार का पूरा सहयोग करता। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आज की स्थिति में भी हम इस संकट के कई महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में अनभिज्ञ हैं। ऐसे में हम सरकार से सवाल करना चाहते हैं कि किस तारीख को चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की? सरकार को इस बारे में कब जानकारी मिली? क्या यह पांच मई को हुआ था जैसा कि कुछ खबरों में कहा गया है या फिर इससे पहले?'' उन्होंने यह सवाल भी किया, ''क्या सरकार को हमारी सीमाओं की उपग्रह से ली गई तस्वीरें नियमित तौर पर नहीं मिलती है? क्या हमारी बाह्य खुफिया एजेंसियों ने एलएसी पर किसी की असामान्य गतिविधि और बड़े पैमाने पर सैनिकों के जमावड़े के बारे में रिपोर्ट नहीं दी? क्या सरकार के मुताबिक कोई खुफिया नाकामी थी? पांच मई से लेकर छह जून को कोर कमांडर स्तर की बैठक होने के बीच कीमती वक्त को जाया किया गया।

यूपी में 24 घंटे में संक्रमण के 809 मामले सामने

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 19 और मौतों के साथ शुक्रवार को कोविड19 संक्रमण से मरने वालों की संख्या 500 से अधिक हो गई है। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान किसी एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक 809 मामले सामने आने के साथ ही कुल मामले बढ़कर 16, 594 हो गये।

अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में संक्रमण का इलाज कराने वाले लोगों की संख्या 6092 है जबकि 9995 लोगों को पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि कोविड19 संक्रमण के कारण बीते 24 घंटे में 19 और मौतों के साथ ही इस संक्रमण के मृतकों का आंकडा 507 हो गया है। पृथकवास में 6095 लोगों का विभिन्न चिकित्सालयों में अपना इलाज चल रहा है, जबकि पृथकवास में रह रहे 7378 लोगों के नमूने एकत्र कर उनकी जांच की जा रही है। प्रसाद ने बताया कि बृहस्पतिवार को प्रदेश में सैम्पलिंग की संख्या एक बार फिर से बढी और

यह 17 हजार के आंकडे के पार हो गई। बृहस्पतिवार को कुल 17, 221 सैम्पल की जांच की गई। अब तक कुल 5, 32, 505 सैम्पल की जांच की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पूल सैम्पल के माध्यम से बृहस्पतिवार को ही पांच पांच सैम्पल के 1229 पूल लगाये गये, जिनमें से 167 पाजिटिव निकले जबकि दस दस सैम्पल के 110 पूल लगाये गये, जिनमें से 24 पाजिटिव पाये गये। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि आरोग्य सेतु ऐप का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है । इसके माध्यम से जिन लोगों को एलर्ट आये, ऐसे 86, 889 लोगों को स्वास्थ्य विभाग के नियंत्रण कक्ष से फोन कर उन्हें सावधान किया गया कि वे किसी ना किसी संक्रमित व्यक्ति के नजदीक आये हैं । कुल 3420 लोगों ने बताया कि वे पृथक वास में हैं जबकि 167 ने बताया कि वे संक्रमित हैं और उनका इलाज चल रहा है । कुल 110 लोगों ने बताया कि वे इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं ने अब तक 17, 54, 920 प्रवासी श्रमिकों और कामगारों के गांव गांव, घर घर जाकर सर्वेक्षण किया । आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि 1522 ऐसे लोग पाये गये, जिनमें कोरोना संक्रमण को लेकर कोई ना कोई लक्षण मिले । कुल 1144 प्रवासी कामगारों की जांच करायी गयी, जिनमें से 185 प्रवासी श्रमिक संक्रमित पाये गये । यह आंकडा 16 प्रतिशत है, जिनकी रिपोर्ट आशा कार्यकर्ताओं ने की । प्रसाद ने बताया कि 6354 हॉटस्पॉट क्षेत्रों सहित कुल 19,189 क्षेत्रों में सिंवलांस का कार्य चल रहा है । कुल 97, 33, 508 घरों में 4, 96, 85, 930 लोगों का सर्वेक्षण किया गया है। प्रसाद ने एक अन्य शासनादेश के बारे में बताया कि निजी लैब अभी तक कोरोना संक्रमण की जांच का 4500 रूपये जांच शुल्क ले रही थीं । अब उसका मूल्य नियंत्रित कर दिया गया है । अगर कोई सैम्पल जाकर प्रयोगशाला में देता है तो उससे केवल 2000 रूपये लिया जाएगा । अगर प्रयोगशाला किसी को भेजकर घर से सैम्पल लेती है तो अधिकतम 2500 रूपया लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक और आदेश किया गया है । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ञ्सीएचसीञ् और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ञ्पीएचसीञ् पर अब ओपीडी की सुविधा प्रारंभ कर दी गयी है। वहां पर ये निर्णय लिया गया है कि कोविड हेल्थ डेस्क की स्थापना की जाएगी जो एक कमरे में होगा । जिसे भी कोरोना के लक्षण होंगे, उसे तत्काल हेल्थ डेस्क पर ले जाया जाएगा । उसकी थर्मल स्क्रीनिंग होगी और पल्स आक्सीमीटर से जांच होगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि हमने कुछ जगहों पर रैण्डम ञ्क्रमरहितञ् सैम्पङ्क्षलग की थी।